सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

तीन भारतीय आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित -पेज: 7

जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 181 | बुधवार 08 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

दिल्ली से वाराणसी जा रहे विमान को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उतरने की अनुमति नहीं मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो की दिल्ली से वाराणसी की उड़ान 6ई 2211 को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिली। विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र में आधे घंटे तक हवा में चक्कर काटता रहा। ईंधन की कमी और मौसम में सुधार न होने के कारण, विमान को नजदीकी एयरपोर्ट लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। यात्री लखनऊ में लगभग दो घंटे तक विमान में ही बैठे रहे। मौसम सामान्य होने के बाद, विमान वापस वाराणसी एयरपोर्ट पर लौटा और सुरक्षित लैंडिंग की। उड़ान में देरी और डायवर्जन का मुख्य कारण सुबह 5 बजे उड़ान के समय वाराणसी में खराब मौसम और बहुत कम दृश्यता था। इंडिगो एयरलाइंस ने यात्रियों को सूचित किया कि उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है, और मौसम में सुधार होने पर ही उड़ान जारी रखी गई। यात्रियों में चिंता का माहौल था, लेकिन उन्होंने एयरलाइन के कदमों को समझा और आभार व्यक्त किया। कुछ ने ऐसी घटनाओं के लिए बेहतर तैयारी की आवश्यकता पर जोर दिया। कोहरे का मौसम शुरू होने के कारण, यात्रियों को अगले कुछ महीनों तक सुबह की उड़ानों में इसी तरह के विलंब या डायवर्जन का सामना करना पड़ सकता है। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए एयरलाइंस को अपने परिचालन में और अधिक लचीलापन लाना चाहिए, ताकि यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बेकाबू कार रेलवे फाटक से टकराई, चेन बांधकर ट्रेन रोकी गई

ऋषिकेश (एजेंसी)। भट्टीवाला क्षेत्र में एक बेकाबू कार ने रेलवे फाटक से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में किसी राहगीर को चोट नहीं आई और कार चालक भी सुरक्षित बच गया। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेल कर्मचारियों ने मौके पर चेन बांधकर ट्रेन को रोका और बाद में सुरक्षित रूप से रेलवे मार्ग को खाली कराया। घटना उस समय हुई जब प्रयागराज एक्सप्रेस हरिद्वार से ऋषिकेश आ रही थी। ट्रेन को निकालने के लिए भट्टीवाला फाटक बंद किया जा रहा था, तभी कार फाटक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार बेकाबू गति से आई और फाटक में जोरदार टक्कर मारी। रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ कर्मियों ने तुरंत फाटक पर चेन लगाकर ट्रेन को रोका और फिर सुरक्षित निकाला। इससे कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया, लेकिन तब तक चालक कार लेकर फरार हो चुका था।

चीन और पाकिस्तान की बढ़ेगी धड़कन, अब भारत में ही बनेगा एस-400, कुछ रूस देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच अतिरिक्त पांच सिस्टम की कीमत पर सहमति बन चुकी है। दोनों देश के बीच अब इस पर बातचीत चल रही है कि इनमें से तीन सिस्टम सीधे खरीदे जाएंगे और बाकी के दो एस-400 टेक्नॉलजी ट्रांसफर के तहत निर्मित होंगे। यह सौदा सरकार-से-सरकार के बीच होगा और रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल सुविधाएं भारतीय प्राइवेट सेक्टर की मदद से स्थापित की जाएंगी। खबरों के मुताबिक वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने रूस की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 को लेने पर विचार की बात कही थी। हालांकि सरकार ने अब तक न एसयू-57 और न अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को लेकर कोई निर्णय लिया है।

बता दें कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान एस-400 ट्रायम्फ सिस्टम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी जबरदस्त क्षमता साबित की थी। पाकिस्तान ने 7 मई के हमले के बाद आदमपुर और भुज एयरबेस पर तैनात एस-400 को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाया।

इसके बाद 10 मई तक पाकिस्तान को अपने सभी एयर एसेट्स को भारतीय सीमा से 300 किमी दूर ले जाना पड़ा और मुश्किल से ही कोई विमान उड़ान भर सका। एस-400 की लंबी दूरी की मिसाइलों ने पाकिस्तान के एक विमान को पंजाब में 314 किमी की दूरी पर मार गिराया था और उत्तर में एफ-16 व जेएफ-17 लड़ाकू विमानों को भी ढेर किया था। भारत ने रूस के साथ 2018 में ही पांच एस-400 सिस्टम के लिए 5.43 अरब डॉलर की डील की थी। इसके तहत अगले साल के अंत तक दो एस-400 की सप्लाई होनी है। इसके साथ ही अब पांच और एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने पर बातचीत चल रही है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी इसके लेकर इस हफ्ते रूसी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात में इस रूसी रक्षा कवच को मिलकर बनाने पर चर्चा किया जाएगा। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 5 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली वार्षिक शिखर वार्ता से पहले इस सौदे को हरी झंडी मिल सकती है। उधर खबर है कि भारत रूस से 200 किमी से अधिक रेंज वाली एयर-टू-एयर मिसाइल आरवीवी-बीडी (आर-37) भी हासिल करना चाहता है, जिससे एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता बढ़ाई जा सके।

खड़गे ने दलित युवक की हत्या पर जताई कड़ी नाराजगी, बोले- यह संविधान और सामाजिक न्याय पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले ने अब राजनीतिक गलियारों को गरमाने का कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे सामाजिक न्याय और संविधान के खिलाफ अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल दलित समुदाय पर हमला है, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर कांग्रेस की ओर से जारी एक संयुक्त वक्तव्य साझा किया, जिसमें कहा गया है कि रायबरेली में दलित युवक की हत्या निंदनीय है और यह घटना भारत के संविधान का अपमान है, जो सभी नागरिकों को समानता और सुरक्षा का अधिकार देता है। वक्तव्य में कहा गया, यह दलित समुदाय के खिलाफ अपराध होने के साथ-साथ पूरे समाज पर कलंक है। कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी ने हाथरस, उन्नाव, रोहित वेमुला, मध्य प्रदेश में आदिवासी युवक पर यूरिन करने

की घटना, ओडिशा और हरियाणा में भीड़ हिंसा और अखलाक की हत्या जैसे मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि ये सभी घटनाएं समाज और प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती हैं।

संयुक्त वक्तव्य में आगे कहा गया कि 2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोजर की कार्रवाई और भीड़तंत्र जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जो किसी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य हैं। वक्तव्य कहा गया है, कि हरिओम की हत्या हमारे समाज की नैतिकता पर प्रश्नचिह्न है। कांग्रेस डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के उस भारत की बात करती है जो सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना पर आधारित हो। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे इंसानियत और संविधान की हत्या बताया है।

वहीं दूसरी तरफ रायबरेली पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दावा किया है कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह मतलब डबल इंजन सरकार की विदाई तय

-राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर कसा तंज

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की सरकार की विदाई होना तय है। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक और तेज हो गई है। चुनावी तैयारियों के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया ब्लॉक अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं।

इसी बीच पूर्व सीएम लालू यादव ने कहा कि बिहार से डबल इंजन सरकार की विदाई तय है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने संकेत दिया कि बिहार से एनडीए की विदाई तय है। यह पहली बार नहीं है जब लालू ने

बिहार सरकार पर निशाना साधा है। वह अक्सर सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर कटाक्ष करते रहते हैं।

एक अन्य पोस्ट में लालू यादव ने सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार की डबल इंजन की सरकार का मतलब भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्ट व्यवस्था को बदलना है। इस बार बिहार के मुख्यमंत्री को बदलना है और सरकार भी बदलेंगे। जहां एक ओर लालू यादव सीएम नीतीश कुमार को लेकर हमलावर हैं और सरकार बदलने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बिहार का नेतृत्व वह अपने बेटे और राजद नेता तेजस्वी यादव में देखते हैं।

बता दें उन्होंने कई मंचों से तेजस्वी को बिहार का अगला सीएम बनाने के लिए जनता से अपील भी की है। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था- तेजस्वी के नेतृत्व में, नया बिहार बनाएंगे। बता दें बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। चुनाव को लेकर आयोग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

गंदगी के बीच बनाया जा रहा था कफ सिरप, फैसिलिटी और उपकरणों की थी कमी

-तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट में खुलासा, कंपनी ने किया नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप से 14 से ज्यादा बच्चों की मौत ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इसी बीच श्रीसन फार्मास्यूटिकल की फैक्ट्री पर आधारित तमिलनाडु सरकार की 26 पन्नों की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी ने कप सिरप के निर्माण में नियमों का उल्लंघन किया है।

एक मीडिया संस्थान के हाथ लगी रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी में गंदगी के बीच सिरप बनाया जा रहा था। स्किल्ड मैनपावर, मशीनरी, फैसिलिटी और उपकरणों की कमी थी। क्वालिटी असुरेंस विभाग का अस्तित्व ही नहीं था और बैच रिलीज से पहले कोई जांच नहीं की जाती थी। रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के उत्पादन में 350 से ज्यादा गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसमें 39 क्रिटिकल और 325 मेजर खामियां पाई गई हैं। सिरप में 48.6 फीसदी डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया जो किडनी फेलियर का कारण बनता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। फैक्ट्री में कोई एयर हैंडलिंग यूनिट नहीं थी, वेंटिलेशन खराब था और उपकरण क्षतिग्रस्त या जंग लगे हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्लांट का लेआउट और डिजाइन ही दूषित होने के जोखिम में योगदान दे रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने 50 किलो प्रोपलीन ग्लाइकॉल बिना चालान के खरीदा जो अवैध है। सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) के अंश भी पाए गए जो एक अत्यधिक विषैला औद्योगिक विलायक है और इसका इस्तेमाल ब्रेक फ्लूइड, पेंट और प्लास्टिक में होता है।

प्रोपलीन ग्लाइकॉल एक कम विषैला इंडस्ट्रियल सॉल्वेंट है, जिसका इस्तेमाल खाद्य, दवा और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में होता है, लेकिन डीईजी कम मात्रा में भी इंसानों के लिए घातक है। प्रोपिलीन ग्लाइकॉल की जगह डीईजी का इस्तेमाल दुनिया भर में बड़े पैमाने पर विषाक्तता की घटनाओं का कारण है, जिसमें हाल ही में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी ने लिक्विड फॉर्मूलेशन ट्रांसफर के लिए प्लास्टिक पाइप्स का इस्तेमाल करती थी, फिल्ट्रेशन सिस्टम नहीं था और केमिकल इफ्लुएंट्स को सीधे सामान्य नालियों में डाला जाता था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि क्रिटिकल मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस में इस्तेमाल साफ पानी के टैंक अस्वच्छ स्थिति में पाए गए। निरीक्षण टीम ने पाया कि कच्चे माल को बिना परीक्षण या विक्रेता की अनुमति के जारी किया गया था और प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं पर नजर रखने के लिए कोई फार्माकोविजिलेंस सिस्टम मौजूद नहीं था। सैंपलिंग खुले वातावरण में की गई, जिससे दूषित होना अपरिहार्य था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कीटों या चूहों को रोकने के लिए कोई बंदोबस्त नहीं था। साथ ही फ्लाई कैचर्स यानी मक्खी पकड़ने वाले और एयर कर्टेंस गायब थे, प्रोडक्शन क्षेत्रों में फिल्टर की गई हवा का कोई प्रबंध नहीं था। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कंपनी में कुशल मैनपावर की कमी थी और एनालिटिकल टेस्ट मेथड्स या सफाई प्रक्रियाओं का वैलिडेशन कभी नहीं किया गया था।

तमिलनाडु सरकार के निष्कर्षों से अब ये

पता चलता है कि यदि निर्माता ने सबसे बुनियादी दवा सुरक्षा मानदंडों का पालन किया होता तो इस त्रासदी को रोका जा सकता था। वहीं, इस प्रकरण में मध्य प्रदेश सरकार ने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य ड्रग कंट्रोलर को हटाया दिया है। डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया है, जिन्होंने सिरप प्रेस्क्राइब किया था। साथ ही सरकार ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। कई राज्य जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल और तमिलनाडु ने सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। केंद्र सरकार ने 6 राज्यों में 19 ड्रग यूनिट्स का जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया कर दिया है।

एक महीने में पांचवीं बार अमेरिका ने वेनेजुएला की नौका को बनाया निशाना

रूस की चेतावनी- इससे तनाव बढ़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की एक और नौका को वेनेजुएला के तट पर निशाना बनाया है। पहले से ही अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव है और ताजा हमले के बाद यह तनाव और बढ़ गया है। यह अमेरिका का वेनेजुएला की नौकाओं को निशाना बनाकर एक महीने में किया गया पांचवां हमला है। अमेरिका का दावा है कि जिन नौकाओं को निशाना बनाया गया, उससे ड्रग तस्करी हो रही थी।

शुक्रवार को भी अमेरिका ने वेनेजुएला की नौका को बनाया था निशाना : रविवार को नोर्फ़ोलक नेवल स्टेशन पर मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शनिवार को वेनेजुएला की एक और नौका को निशाना बनाया गया है। ट्रंप ने कहा हाल के हफ्तों में नेवी ने नशा तस्कर आतंकियों के खिलाफ हमारे अभियान में मदद की है और बीती रात भी एक नौका को निशाना बनाया गया। जिसके बाद हमें समुद्र में उनकी कोई नौका नहीं दिख रही है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने शुक्रवार को भी वेनेजुएला की एक नौका को निशाना बनाया था, जिसमें चार लोग मारे गए थे। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को हमले की बात कही। ऐसे में ये साफ नहीं हो पाया कि शनिवार को अमेरिका ने नया हमला किया या राष्ट्रपति ट्रंप शुक्रवार के हमले का ही जिक्र कर रहे थे और गलती से शनिवार बोल गए।

रूस ने दी चेतावनी : अमेरिका का दावा है कि वे वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं को निशाना बना रहा है। हालांकि अमेरिका ने अभी तक अपने दावे के पक्ष में कोई सबूत नहीं दिया है। वहीं रूस ने अमेरिका के वेनेजुएला की नौकाओं पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए जा रहे हमलों की निंदा की है। रूस ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमलों से कैरेबियाई क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। रूस के विदेश मंत्री ने वेनेजुएला के विदेश मंत्री से रविवार को टेलीफोन पर बात भी की और अमेरिकी हमलों की निंदा की। रूस ने वेनेजुएला के नेतृत्व और वेनेजुएला को लोगों को मौजूदा परिस्थिति में पूरा समर्थन देने की बात कही।

अमेरिका ने कैरेबियाई क्षेत्र में तैनात किए युद्धपोत : अमेरिका के हमलों में वेनेजुएला के 15 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इन हमलों के चलते अमेरिका और वेनेजुएला में तनाव बढ़ गया है।

वेनेजुएला ने अमेरिकी हमलों को वेनेजुएला के खिलाफ अघोषित युद्ध करार दिया है। अमेरिका ने भी कैरेबियाई क्षेत्र में अपने कई युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। साथ ही लड़ाकू विमानों से भी निगरानी की जा रही है। वेनेजुएला ने भी अपने स्तर पर संभावित संघर्ष की तैयारी शुरू कर दी है।

संपादकीय

एक करोड़ महिलाओं की ताकत

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

भारतीय वायुसेना दिवसः साहस, समर्पण और शक्ति का संगम भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं।

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थरार्ते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थरार्ते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे।

'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में ह्यरॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

मुद्दा-शिक्षकों पर क्यों लटकी तलवार?

रोहित कौशिक

पूरे देश में कक्षा एक से आठ तक के शिक्षक इन दिनों भारी मानसिक दबाव झेल रहे हैं। कारण है सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश जिसमें शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी पास करने का आदेश दिया गया है।

टीईटी के संबंध में माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपनी जगह सही हो सकता हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में नियम और कानून के हिसाब से अपना फैसला दिया है। सवाल यह है कि क्या यह फैसला व्यावहारिक है ? सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर अपना फैसला दे दिया है लेकिन देश की संसद क्या कर रही है ? इस मुद्दे पर राजनेता चुप क्यों हैं ? जो शिक्षक पचास या पचपन वर्ष के हो चुके हैं क्या उनके लिए यह फैसला व्यावहारिक है?

पिछले कुछ समय से केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें शिक्षकों पर विभिन्न तरह के दबाव डाल रही हैं। शिक्षा प्रदान करने के अलावा शिक्षकों से हजार काम लिए जा रहे हैं, इसके बावजूद शिक्षकों को पापी सिद्ध करने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अब कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। जिन शिक्षकों की सेवा में पांच साल से अधिक का समय बाकी है, उन्हें दो साल के भीतर टीईटी पास करना होगा।

अगर वे इस अवधि में परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो उन्हें सेवा छोड़नी पड़ेगी या अनिवार्य सेवानिवृत्ति लेनी होगी। हालांकि जिनकी सेवा अवधि पांच साल से कम है उन्हें टीईटी पास करने की बाध्यता नहीं है लेकिन वे प्रमोशन के लिए अयोग्य रहेंगे। यह नियम सरकारी और निजी दोनों शिक्षकों पर लागू होगा। हालांकि फिलहाल अल्पसंख्यक विद्यालयों को इससे छूट दी गई है। इस मुद्दे पर अल्पसंख्यक वाले मामले को सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच को सौंपा गया है। खबर है कि फैसले का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

शिक्षकों का कहना है कि पहले जो शिक्षक नियुक्त हुए थे, उनकी भर्ती उस समय के नियम और मानकों के हिसाब से हुई थी। अब सेवा के आखिरी वर्षों में उनसे टीईटी पास करने को कहना न्यायसंगत नहीं है। दरअसल पचास-पचपन की उम्र के बाद इंसान कई तरह के मनोवैज्ञानिक दबाव झेल रहा होता है। इस उम्र में वह पढ़ा तो सकता है लेकिन अगर उससे कहा जाएगा कि आप परीक्षा पास कीजिए नहीं तो आपकी नौकरी चली जाएगी तो उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव और बढ़ जाएगा। यही कारण है सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षक परेशान है। शिक्षकों के लिए समय-समय पर कई तरह की रिफ्रेशर कोर्स चलते रहते हैं। बेहतर होता कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देती। इस तरह का अव्यावहारिक फैसला शिक्षकों पर थोपना उनके साथ अन्याय है। टीईटी के संबंध में यह फैसला कई तरह से व्यावहारिक नहीं है। स्कूलों में बड़ी संख्या में बीएड, बीपीएड, इंटरमीडिएट पास तथा बीटीसी मुक्त शिक्षक हैं। कई शिक्षक मृतक आश्रित कोटे में भी भर्ती हुए हैं। शिक्षकों की भर्ती के मानक अलग अलग समय पर अलग अलग रहे। जैसे उत्तर प्रदेश में 1898 से पहले बारहवी पास और बीटीसी के आधार पर भर्ती हुई। 1999 से इसे स्नातक किया गया, इसमें कुछ बीएड और बीपीएड लोग भी आए। यानी उस समय जो मानक थे उसी के आधार पर शिक्षकों की भर्ती हुई। एक व्यावहारिक दिक्कत यह है कि अगर कोई बारहवी पास शिक्षक टीईटी पास करना चाहे तो उसे पहले स्नातक की परीक्षा पास करनी होगी और फिर बीटीसी का प्रशिक्षण लेना होगा, तब जाकर वह टीईटी कर पाएगा। यानी इसमें काफी साल लग जाएंगे। जबकि टीईटी पास करने के लिए सिर्फ दो साल का समय दिया गया है। शायद ही किसी नौकरी में मानक इतनी बार बदले गए हों जितनी बार शिक्षकों की भर्ती में बदले गए हैं। सरकार द्वारा शिक्षकों पर समय-समय पर कई तरह के दबाव बनाए जाते हैं। समाज के कुछ लोग भी यह प्रदर्शित करने से पीछे नहीं हटते कि शिक्षक तो फ्री का वेतन ले रहे हैं। ऐसे लोग इस बात को भूल जाते हैं कि शिक्षकों को गांव-गांव मंप धूप, बारिश और बाढ़ में भी काम पर लगा दिया जाता है। अगर स्कूल में बच्चे नहीं आते हैं तो उसमें भी शिक्षकों की गलती निकाल दी जाती है। सवाल यह है कि जानबूझकर शिक्षकों का शोषण करने की कोशिश क्यों की जा रही है ? अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में आशा की एक किरण दिखाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। हिमाचल प्रदेश में भी शिक्षकों ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है। हिमाचल प्रदेश सरकार भी इस मुद्दे पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करने जा रही है। देश के कई अन्य राज्यों में भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षकों में नाराजगी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं में समय-समय पर कई तरह की असमानताएं रही हैं। इन असमानताओं को किसी एक नियम से दूर नहीं किया जा सकता है। शिक्षकों की भर्ती किसी अनुकंपा के आधार पर नहीं की गई है। नियम और कानून के अनुसार ही की गई है। इसलिए अब शिक्षकों पर इस नियम को लादना उसके साथ अन्याय होगा। इस समय शिक्षकों की नौकरी बचाने और उन्हें मानसिक तनाव से बचाने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर पहल करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म हैं। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।

पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।

महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है?

यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।

जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये?

यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं।

जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं?

यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श कर-के पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली।

जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे।

तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिहार में चुनाव का बिगुल बजते ही जोड़तोड़ में लग गई राजनैतिक पार्टियां

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य और देश मे चुनाव को लेकर अटकलें भी थम गई। बिहार में इस बार दो चरण में मतदान होने जा रहा है। यह पिछले कई वर्षों में सबसे छोटा चुनाव है। बिहार में इस बार एसआईआर सबसे बड़ा फैक्टर है। मतदान सूची से 68.5 लाख नाम हट चुके है। बिहार में राजद और कांग्रेस का मुस्लिमो के समर्थन पर ही दोनो दलों का भविष्य टिका है। कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओ की सबसे बड़ी हितचिंतक है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी भी मुस्लिमो के हितचिंतक होने का दावा करते है। बिहार में इनको भी लगने लगा है कि राजद और कांग्रेस सिर्फ दिखावटी बाते करती है। इंडिया गठबंधन के दोनो घटक दल राजद और कांग्रेस में बड़ा याराना है। दोनो दल अभी तक अपने हिस्से की सीटें निकालने पर चिंतन कर रहे है,फिर भी संशय है। मुस्लिमो का बड़ा तबका यह समझता है कि तेजस्वी और कांग्रेस के राज में राजनीतिक रसूख ज्यादा रहता है। लेकिन सत्ता में आने पर ही वोट देने का सही फायदा है। मुस्लिमो को पुलिस आदि का सरंक्षण चाहिए होता है,वह राजद और कांग्रेस से मिल जाता है। इसलिए मुस्लिम समाज का झुकाव राजद की तरफ दिखाई देता है। बिहार में कांग्रेस का जनाधार नही के बराबर है। मुसलमानों की पहली पसंद कांग्रेस दिखती है और दूसरी राजद। लेकिन कांग्रेस कई वर्षों से सत्ता से बाहर है। बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा को 74 सीटे मिली थी। 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। जदयू को 43 सीटे और 15.39 प्रतिशत वोट मिले थे। राजद को 75 सीटे मिली थी। और वोट 23.11 प्रतिशत प्राप्त हुए। उधर ,कांग्रेस की झोली में 19 सीटे प्राप्त हुई। कांग्रेस के मुस्लिम वोट में राजद की सेंधमारी से बड़ाफायदा मिला था। वामदल और अन्य के हिस्सों में 16-16 सीटे गई थी। बिहार की गणित दलित,ओबिसी और मुस्लिम वोटों पर टिकी हुई है। दावे,वादे और बदलते समीकरण से मतदाताओ को भांपना मुश्किल होता जा रहा है। जदयू और भाजपा गठबंधन की एनडीए को बिहार से दोनो पार्टी की 12-12 सीटें मिली थी। बिहार में मुस्लिमो की 17.70 प्रतिशत आबादी का वोट शेयर दोनों पार्टियों के हिस्से में जाता है। मुस्लिमपरस्त राजनीति ने भाजपा की सम्भावनाओ को बढ़ा दिया है । बीस सालों से बिहार की राजनीति में अंगद की तरह पैर जमा चुके सुशासन बाबू नीतीशकुमार की बिहार में उज्ज्वल छवि है। लोग नीतीश कुमार की नीतियों के कायल है। उनके शब्दो पर भरोसा करते है। लालू के जंगलराज के बाद तेजस्वी ने अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर नई रणनीति बनाकर पार्टी को 2020 में 75 सीटे दिलाई। बिहार के मतदाताओ पर घोर किया जाए तो ईबीसी की 36 प्रतिशत आबादी के हितों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बिहार में कुल 63 प्रतिशत ओबिसी-ईबीसी की आबादी ही निर्णायक होगी। एससी -एसटी के 21 प्रतिशत वोट पर राजनैतिक दलों की नजर है। जाति के इस गणित को समझना टेडी खीर है। लेकिन विकास के वादे और रोजगार पर सत्तारूढ़ दल ने महिलाओ को मदद की है। उससे भी एनडीए को सीधा लाभ मिलेगा। जदयू के पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में वोट शेयर ने घटा था। उसके कई कारण हो सकते है।

बिहार की लोकगायिका मैथेली की बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ने की सम्भावना जताई जा रही है। उसके बाद नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसा और विकास के लिए जरूरत बिहार में ज्यादा दिखती है । भाजपा ने ओबोसी, ईबीसी, एसी-एसटी पर भर भरोसा जताया है। राजद,कांग्रेस में मुस्लिमो को अपनी तरफ खींचने की कवायद से हिन्दुओ में ध्रुवीकरण हुआ तो उसका फायदा सीधा भाजपा को हो सकता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो तेजस्वी ने उसे अपने पीछे दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी की लाख कोशिशों और तेजस्वी की सारी रणनीतियों के बावजूद बिहार में लोगो का ध्यान आकृष्ट तो कर सकते है लेकिन सत्य को पराजित नही जा सकता है। कांग्रेस ने राजद की अंगुली पकड कर बिहार की राजनीति में भूचाल लाने की रणनीति के पीछे प्रियंका की चाटूकारिता रही है। दोनो भाई बहन की बिहार में प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा हो गया है। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर है। उधर,11 नामो के साथ बिहार में आम आदमी पार्टी ने सूची जारी की है। बिहार में बीजेपी की मैराथन बैठक में बिहार के सिटिंग विधायको को लेकर चिंतन किया जा रहा है। दावेदारी किसको देनी है इसका मसाला केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सुझाव समिति की सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया है और मजबूत उम्मीदवार को तवज्जों दी जा रही है। बीजेपी बिहार में एनडीए के सहयोग से पूरी ताकत झोंकेगी। शाहबाद और मगध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे। क्योकि 2020 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर स्थिति में है। ऊपर से सीटो के त्याग संशय से चिंतन है। कांग्रेस के पास बिहार में मजबूत नेता की जरूरत है। तभी समीकरण सधता नजर आ सकता है । वैसे तो सूबे में तिकोना संघर्ष है। लेकिन चतुष्कोणीय मुकाबला करा सकती है। राजद और कांग्रेस की सौदेबाजी पर सबकी नजर है। कांग्रेस को अब नाक बचाने की चिंता है। गांधी परिवार की विरासत का भूत लोगो के दिमाग से तीस वर्ष पहले ही उतर चुका था। क्योकि कांग्रेस धरातल पर आ गई। कांग्रेस के धुरंधर कहे जाने वाले नेता भी पिछले चुनाव में हार गए। अब असली परीक्षा तो इन दलों की चुनाव में है। सभी के साथ मिलकर प्रत्याशी उतार रहे है। हालांकि चुनाव के बीच अभी 38 दिन बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से चुनाव की तैयारी में जुट गए है। राजद और कांग्रेस दोनो विरोधी गठबंधन है। कांग्रेस के हित राजद से मेल नही खाते। राजद कांग्रेस खोई हुई राजनीतिक जमीन पर काबिज है। क्योंकि चुनौती भाजपा की है। तीस साल से बिहार में वापसी का सपना देखने वाले राहुल को हकीकत समझ मे आ ही गई। तीसरे पायदान पर खड़ी भाजपा से अपना मुकाबला मान रहे है । चुनाव की बयार अभी उलट बहने से कांग्रेस डरी हुई है। क्योंकि कांग्रेस के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए ठोस मुद्दे नही है। अब तो चुनाव के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

अमरोहा
बुधवार- 08 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

वेंकटेश्वरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मेन्टल हैल्थ अवेयरनेस वीक-2025 का शुभारम्भ

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी संस्थान के वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (VIMS) में मेंटल हेल्थ अवेयरनेस वीक 2025 का शानदार शुभारंभ 6 अक्टूबर को हो चुका है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह में इस वर्ष की थीम समुदाय के साथ मिलकर मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा विषय पर सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर कॉम्पिटिशन, जागरूकता रैली समेत आधा दर्जन से अधिक कार्यक्रम किये जायेंगे आयोजित kबता दें कि मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान के अंतर्गत संचालित वेंकटेश्वरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एवं मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल के मनोरोग विभाग की ओर से पांच दिवसीय मेन्टल हैल्थ अवेयरनेस वीक-2025 (06 अक्टूबर-10अक्टूबर) का शानदार शुभारम्भ हो गया। पांच दिनों तक चलने वाले इस मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह में इस वर्ष की थीम समुदाय के साथ मिलकर मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा एवं सहयोग विषय से सम्बंधित एक दर्जन कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे -वेंकटेश्वरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के हॉस्पिटल ब्लॉक के स्वागत परिसर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह समारोह का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्णकान्त दवे, डीन मेडिकल डा. संजीव भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. सुरेश. मेहता, विभागाध्यक्ष मनोरोग डा. संदीप चौधरी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इसके बाद एम.बी.बी.एस. छात्र अनिकेत पंत की टीम ने शानदार गीत एवं नुक्कड़ नाटक द्वारा व्यक्तित्व विकास में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताया। इसके बाद डा. उदित सिंह, सहायक प्रोफेसर, मनोरोग विभाग द्वारा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने समाज में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु सामूहिक प्रयासों और समुदाय आधारित पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात एम.बी.बी.एस. छात्रों द्वारा एक सुरीला गीत प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसने वातावरण को सकारात्मकता और उर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का शानदार संचालन डा. कृति कंवर, क्लिनिकल सायकॉलजिस्ट, मनोरोग विभाग तथा डा. श्रेया शर्मा, जूनियर रेजिडेंट, मनोरोग विभाग द्वारा किया गयाो समापन अवसर पर कृति कंवर ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विम्स अस्पताल का मनोरोग विभाग मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है- न केवल अस्पताल परिसर में, बल्कि सामुदायिक स्तर पर भी विभिन आउटरीच प्रोग्राम, मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक और कार्यशालाओं के माध्यम से भी जागरूकता बढ़ा रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और कलंक को कम करने में सक्रिय भूमिका निभायें। इस उद्घाटन समारोह के साथ ही आने वाले सप्ताह में कई कार्यशालायें, संवाद सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिनका उद्देश्य छात्रों, स्टाफ और समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है -इस अवसर पर डा. चित्रजित सिंह जुनेजा, डा. कृति तंवर, डा. विवेक पाठक, डा. स्नेहांगी, डा. विदिशा, डा. गजल, डा. मयंक, डा. प्रेरणा, डा. श्रेया, डा. अनमोल एवं मेरठ परिसर से निदेशक डा. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे

इनर व्हील कल्ब आफ द्वारा दिवाली महोत्सव को सेलिब्रेट करते हुए वूमेन एंपावरमेंट का प्रोजेक्ट

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में इनर व्हील कल्ब आफ द्वारा दिवाली महोत्सव को सेलिब्रेट करते हुए वूमेन एंपावरमेंट का प्रोजेक्ट किया गया। इस अवसर पर जरूरत मंद एवम् हुनरमंद महिलाओं से रूई की बाती, मिट्टी के दीए, गाय के गोबर से बने मिट्टी के दीए बनवाए गए, क्लब सदस्यों द्वारा इस सामान की खूब खरीदारी भी करी गई। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से इन महिलाओं को आर्थिक सहायता के साथ, रोजगार के अवसर भी मिले। कार्यक्रम को शानदार, करवा डेकोरेशन प्रतियोगिता ,हाऊजी, गेम्स ने बनाया। डेकोरेशन प्रतियोगिता में सीमा जैन प्रथम रही। क्लब अध्यक्षा शर्मिला गुप्ता ने समय समय पर महिलाओं को रोजगार के मौके कैसे मिले पर अपने विचार प्रस्तुत करें। क्लब सचिव डॉ सीमा ने महिला सशक्तिकरण पर सरकार की योजनाओं को सांझा किया। इस अवसर पर पीडीसी अचला टंडन, सुप्रिया खुराना, रीना,सीमा जैन, बेला जैन , डॉ हर्षिता, अंजू अग्रवाल, स्वाति सिंह, दीपाली आदि सदस्य मौजूद रहे।

गजरौला में वर्दी का रौब 'मैं बताउंगा क्या होता है दरोगा'

पैमाइश के दौरान भीड़े दो सरकारी अफसर,लेखपाल और दरोगा के बीच तीखी नोकझोंक दरोगा जी बोले 'मैं बताऊंगा क्या होता है दरोगा'

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के अंतर्गत नगर कोतवाली गजरौला क्षेत्र के गांव चकन वाला में एक जमीनी विवाद के निस्तारण के दौरान एक दरोगा और लेखपाल के बीच तीखी नोक झोंक हो गई जिसमें वर्दी का रौब दिखाते हुए दरोगा ने लेखपाल को धमकी दे डाली और कहा कि 'मैं बताऊंगा क्या होता है दरोगा'। इसी बीच मौजूद किसी ने उनका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस दौरान दरोगा के लामबंद हुए लेखपाल धनोरा एसडीएम कार्यालय पर पहुंचे और दरोगा के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्यवाही की मांग की। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव चकनवाला का है जहां पर एक जमीनी विवाद के निस्तारण के दौरान क्षेत्रीय दरोगा अनिल शर्मा व लेखपाल दिनेश कुमार के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी के दौरान दोनों के बीच बहस होने लगी ।इसी बीच बहस कर रहे दरोगा साहब ने लेखपाल को वर्दी का रौब झाड़ते हुए धमकी दे डाली और कहा कि 'मैं बताउंगा क्या होता है दरोगा'। माने किसी की कोई गलती हो या ना हो दरोगा अनिल शर्मा तो उसे सजा दिलवा कर ही रहेंगे। दरोगा अनिल शर्मा और लेखपाल के बीच हुई नोक झोंक के दौरान वहां मौजूद किसी ने उनका वीडियो बनाकर अपने केमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसमें दरोगा अनिल शर्मा लेखपाल को साफ लफ्जों में धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं बताऊंगा क्या होता है दरोगा। दोनों के बीच हुई बहस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो से ली गई फुटेज को देख कर आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं कि दरोगा साहब लेखपाल के साथ किस तरह से बातें करते नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि दोनों सरकारी मुलाजिमों की स्थिति की बहस ने सरकारी कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि जब सरकारी अधिकारी आपस में ही उलझ जाएं तो आम नागरिक अपनी समस्या किससे और कैसे कहेंगे।

उधर इस पूरे प्रकरण को लेकर लेखपाल संघ में आक्रोश देखने को मिला जिसको लेकर संघ के लेखपालों ने एसडीएम दफ्तर जाकर सब इंस्पेक्टर के खिलाफ प्रदर्शन किया और कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने दरोगा पर गाली गलौज करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। अब देखना यह है कि वर्दी का रौब दिखाने वाले ऐसे पुलिस कर्मियों पर प्रशासन क्या कुछ कार्यवाही कर पाएगा?

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर स्वच्छता कर्मियों का भाजपाइयों ने फूल माला पहनाकर किया स्वागत

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नगर पंचायत क्षेत्र नौगांवा सादात के मोहल्ला अलीनगर में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी के नेतृत्व में केम्प कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भगवान महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की तत्पश्चात भाजपा के पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी व वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी ने संयुक्त रूप से स्वच्छता कर्मियों का फूल माला पहनाकर एवं पुष्प वर्षा करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। वीरेंद्र सिंह सैनी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जो सरकारी छुट्टी का ऐलान किया है। उसकी वाल्मीकि समाज के लोगों ने बहुत सराहना की है। वहीं मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। स्वच्छता कर्मियों ने इस स्वागत के लिए दोनों भाजपा नेताओं का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद कहा। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, संतराम वाल्मीकि ,रामकिशोर वाल्मीकि, मोहित कुमार वाल्मीकि ,सुभाष वाल्मीकि ,आकाश कुमार, दिनेश कुमार वाल्मीकि, संदीप कुमार वाल्मीकि ,सुभाष वाल्मीकि, संतराम वाल्मीकि ,कमलदीप वाल्मीकि, पंकज वाल्मीकि, करन वाल्मीकि, राकेश कुमार वाल्मीकि, ऋषभ कुमार आदि मौजूद रहे।

दा आर्यन क्रिकेट अकादमी के शोएब सिद्दीकी, विशाल तोमर और सिद्धार्थ का सिलेक्शन यूपी सीनियर क्रिकेट टीम कैंप में हुआ

अमरोहा (सब का सपना):- अकादमी के प्लेयर शोएब सिद्दीकी का यूपी रणजी ट्रॉफी के कैंप के लिए सलेक्शन हुआ और विशाल तोमर और सिद्धार्थ का अप अंडर 23 के कैंप के लिए सलेक्शन हुआ। 2 दिन पहले ही अकैडमी के 2 प्लेयर्स का रणजी ट्रॉफी टीम मैं सिलेक्शन हुआ था और अब 3 और प्लेयर्स का कैम्प मैं सिलेक्शन होने से अकैडमी मैं खुशी दुगनी हो गई है। अमरोहा के कन्वीनर और अकैडमी कोच अमन लिट्ट ने चयन पर बधाई देते हुए कहा कि ये अमरोहा ज़िले के लिए बहुत गर्व की छड़ है। अमन लिट्ट ने बताया के तीनों प्लेयर्स ने अपनी मेहनत लगन और अनुशासन के बल पर या मुकाम हासिल किया और हमें पूरा विश्वास है कि यह खिलाड़ी प्रदेश की टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्यंस अकैडमी और अमरोहा का नाम ऊंचा करेंगे। उन्होंने बताया कि इनके चयन होने पर अमरोहा ज़िले के खिलाड़ियों में उत्साह और बढ़ेगा । आर्यंस क्रिकेट अकादमी के कोच चमन सिंह ने बताया कि शोएब सिद्दीकी काफी सालों से यूपी की टीम से अंडर-19 और 23 खेल रहे हैं और शोएब ने पिछले 2 सालों में यूपी के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और विशाल भी up से पहले under 19 खेल चुके है और सिद्धार्थ को इस बार पहली बार सपना टैलेंट दिखाने का मौका मिला है। विशाल और सिद्धार्थ दोनों ही फास्ट बॉलर है और दोनों ही और दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है जिन्होंने अपने मेहनत के दम पर अप अंडर 23 के कैम्प की खिलाड़ियों की लिस्ट में अपनी जगह बनाई । सभी प्लेयर्स ने अपने सिलेक्शन मैं अपने माता पिता और अपने कोच अमन लिट्ट और चमन सिंह का अहम रोल बताया । आर्यंस के कोच चमन सिंह ने बताया कि ये अमरोहा ज़िले के लिए बहुत गर्व की बात है के आर्यंस अकादमी से लगातार खिलाड़ी अलग अलग ऐज ग्रुप मैं नेशनल लेवल पर सेलेक्ट हो रहे है। अकादमी में सभी खिलाड़ी कोच अमन लिट्ट और चमन सिंह के अंडर में कड़ी मेहनत करते हैं और सभी खिलाड़ी अपने अनुशासन में रहकर अपनी प्रैक्टिस करते हैं।

जनपद में 09 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होगा अमरोहा ट्रेड फेयर

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा में आयोजित यू०पी० इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की भाँति प्रत्येक जनपद में यू०पी० इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 स्वदेशी मेला आयोजित किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए है। जिससे कि हस्तशिल्पिय, कारीगरों और उद्यमियों द्वारा स्थानीय स्तर पर उत्पादित किए जा रहे उत्पादों को विपणन एवं दीपावली महापर्व के अवसर पर आम जनमानस को स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी का अवसर प्राप्त हो सके। मेले का आयोजन रामलीला मैदान अपोजिट जे०एस० हिन्दू डिग्री कालेज अमरोहा में किया जायेगा kमंगलवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में जनपद में 09 से 18 अक्टूबर तक लगने वाले भव्य अमरोहा ट्रेड फेयर की रूप रेखा निर्धारित की गई। इस ट्रेड फेयर में पूजा सामग्री, फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद, गिफ्टस आइटम, मिठाई, कपड़े, कम्बल, दरी, चादरे, मिलेटस उत्पाद, आदि के स्टॉल लागाए जायेंगे। आगामी दिवाली एवं धनतेरस त्योहार के दृष्टिगत प्रयोग में आने वाले प्रत्येक वस्तुओं के स्टॉल लगाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा इस हेतु सभी सम्बन्धित विभाग से अपने-अपने स्टॉलों की सूची एवं सुस्पष्ट रूप रेखा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। सभी सम्बन्धित विभागों को उच्च गुणवत्ता के स्टॉल प्रचुर मात्रा में सामान के साथ लागाने हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त उद्योग को लोक निर्माण विभाग एवं जिला पंचायत से समन्वय कर स्टॉल की रूप रेखा बानाने को निर्देशित किया गया, जिसमें दुकाने, खाने के स्टॉल, बच्चों के मनोरंजन, पार्किंग, आदि हो। प्रत्येक दिन संध्या के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे मुशायरा, कवि सम्मेलन, नुक्कड़ नाटक, आदि हेतु बेसिक शिक्षा विभाग एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा तथा कृषि विभाग के कृषकों द्वारा उन्नत उत्पादों के स्टॉल लागायें जायेंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार, उपायुक्त उद्योग शैलेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कफ सीरप की बिक्री रोकने हेतु कई मेडिकल स्टोरों पर की गई छापामार कार्यवाही

कफ सीरप के नमूने जाँच एवं विश्लेषण हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला प्रेषित

अमरोहा (सब का सपना):- कफ सीरप Coldrif Syrup (batch SR-13) Mfd. By- Shresan pharmaceuticals, tamil nadu ,NZA DEG (Diethylene Glycol) पाये जाने के कारण स्वास्थ्य के दृष्टिगत उक्त सीरप का उपभोगन करने एवं बिना डाक्टर की सलाह के कफ सीरप का उपभोगन करने के संबंध में जिलाधिकारी गुप्ता वत्स के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद अमरोहा में आम जनमानस के स्वास्थ्य के दृष्टिगत हसनपुर क्षेत्र में उक्त कफ सीरप की बिक्री रोकने हेतु कई मेडिकल स्टोरों पर छापामार कार्यवाही की गयी। छापामार कार्यवाही के दौरान मेडिकल स्टोरों पर उक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप का विक्रय अथवा भण्डारण नहीं पाया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये हसनपुर क्षेत्र के रहरा में संचालित बैस्ट टेक फार्मास्यूटिकल्स नामक मेडिकल स्टोर से समान इन्ग्रिडिएन्ट (ngredients) के दो कफ सीरप के नमूने जाँच एवं विश्लेषण हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला प्रेषित किये गये हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम कायवाहीं अमल में लायी जायेगी। अभियान आगे भी निरंतर चलता रहेगा जिससे आम जनमानस को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़ें। साथ ही जनपद के अन्तर्गत संचालित सभी औषधि विक्रेताओं से पुनः निर्देशित किया जाता है कि आप किसी भी दशा में उक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप की बिक्री न होने दें तथा क्षेत्रवासियों से अपील है कि आप अपने बच्चों के लिये उक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें और यह भी अनुरोध है कि केवल डाक्टर की सलाह पर ही किसी भी नामचीन कंपनी के कफ सीरप को केवल रजिस्टर्ड मेडिकल स्टोर से ही खरीदें एवं यदि आपके आस-पास उपरोक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप के विक्रय करने के संबंध में कोई भी सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल मोबाइल 8077681160 नंबर पर सूचित करें।

डीएम ने की संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी एवं दस्तक अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता के लिए के लिए निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के महत्व एवं दस्तक अभियान की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए। निधि गुप्ता वत्स ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज भारी वर्षा हुई है, जगह जगह जलभराव हो गया है, जल भराव को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। इसके लिए बीडीओ और एडीओ पंचायत और संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। उन्होंने तालाबों में मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए बीटीआई का छिड़काव करने का निर्देश दिया, ताकि जलजनित बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण एवं शहरी टास्क फोर्स बैठकें और ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सहायकों के संवेदीकरण हेतु ब्लॉक स्तरीय बैठकें जहां पर नहीं हो पाई हैं, वहां पर कल तक शत प्रतिशत कराएं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय माइक्रोप्लान के अनुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर संचारी रोग नियंत्रण की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। लोगों को संचारी रोगों से बचने के लिए क्या करें और क्या न करें के संबंध में सीधे और सरल भाषा में जानकारी दी जाए। शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में झाड़ियों की कटाई कराई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा स्प्रे, गड्ढों की भराई, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, डीपीओ ज्ञान प्रकाश तिवारी, समस्त सीएचसी एवं पीएचसी से प्रभारी चिकित्सक और एडीओ पंचायत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कल्कि महोत्सव/विकासोत्सव दिवस पर विकसित भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बडा. मैदान, बहजोई में 6 से 13 अक्टूबर तक आयोजित सम्भल कल्कि महोत्सव/विकासोत्सव 2025 के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव, और नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई लता वार्ष्णेय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का पंचोपचार (पुष्प, पुस्तक, परिधान, नारियल, और पीतल का लोटा) के साथ स्वागत-सम्मान से हुई। तत्पश्चात, माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत और सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मिशन शक्ति 5.0 और शताब्दी संकल्प @2047 पर जोर जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने मिशन शक्ति 5.0 अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्रि के प्रथम दिन किया। इसकी थीम नारी सुरक्षा, सम्मान, और स्वावलंबन है। जनपद में शक्ति पुंज और शक्ति सम्मान पुंज बनाए गए हैं। उन्होंने बच्चों को समान शिक्षा, संस्कार, और आउटडोर खेलों के लिए प्रोत्साहन देने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प @2047 के तहत 12 क्षेत्रों–कृषि, पशुधन, औद्योगिक विकास, आईटी, पर्यटन, ग्राम्य व नगर विकास, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, और सुशासन–में 31 अक्टूबर तक सुझाव देने की अपील की। सुझाव क्यूआर कोड स्कैन कर एक सिम से तीन बार दिए जा सकते हैं। उन्होंने सम्भल संवाद एप, आत्मनिर्भर सम्भल, और लोकल फॉर वोकल के तहत स्थानीय उत्पादों

को वैश्विक बाजारों में प्रोत्साहन की बात कही। साथ ही, जनसुनवाई, एक पुष्प-एक पुस्तक अभियान, घर-घर पुस्तक वाचन, ग्राम चौपाल, और प्लास्टिक-मुक्त सम्भल जैसे अभियानों पर भी चर्चा की। मुख्य अतिथि डॉ. अनामिका यादव ने कहा कि सम्भल जनपद सुझाव देने में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने सभी से विजन डॉक्यूमेंट के लिए सुझाव देने और शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने सम्भल कल्कि महोत्सव को योजनाओं के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में विजन डॉक्यूमेंट के लिए सुझाव देने और सराहनीय कार्य करने वाले आईएमए, रोटरी क्लब, नीमा, और अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष, कृषि उप निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, सत्येन्द्र कुमार सिंह, भाजपा महामंत्री कमल कुमार कमल, अपर जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी श्रद्धानन्द त्रिपाठी, सुभाष पाल, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, और सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

फसल नुकसान की स्थिति में बीमित कृषकों से शिकायत दर्ज करने की अपील

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला कृषि अधिकारी प्रबोध मिश्रा ने जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित 7687 केसीसी धारक और 49 गैर-ऋणी कृषकों से अपील की है कि हाल के दिनों में हुई बारिश के कारण धान, उर्द और बाजरा की फसलों को हुए नुकसान की शिकायत दर्ज करें। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि प्रभावित कृषक टोल-फ्री नंबर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। यदि यह नंबर काम न करता हो, तो कृषक 8052970563 पर अपना प्रार्थना पत्र भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कृषक कृषि पोर्टल या हेल्पलाइन के माध्यम से भी अपनी शिकायत स्वयं दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि फसल नुकसान होने के 72 घंटे के भीतर शिकायत बीमा कंपनी, कृषि विभाग या बैंक शाखा में जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा बीमा राशि प्राप्त करना संभव नहीं होगा। साथ ही, जिन बीमित कृषकों की फसल कटाई के बाद बेमौसमी बारिश से क्षतिग्रस्त हुई है, वे भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने कृषक बंधुओं से कहा है कि वे समय रहते आवश्यक कदम उठाएं ताकि उन्हें बीमा योजना का लाभ मिल सके।

जमीन विवाद को लेकर मारपीट, पांच अभियुक्त हथियारों के साथ गिरफ्तार

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- थाना रजपुरा पुलिस ने जमीन विवाद से जुड़े एक मारपीट के मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान फहीम पुत्र कल्लू खाँ, तहसीम पुत्र तस्लीम (दोनों निवासी बाघऊ, थाना बबराला), निसार पुत्र गुलफाम (निवासी सैमरी, थाना रजपुरा), साबिर पुत्र बन्ने, और हीरा पुत्र साबिर (दोनों निवासी रजपुरा) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से मारपीट में प्रयुक्त एक डंडा, दो लोहे के पाइप, और दो लोहे की सरिया बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि मामला रजपुरा के मास्टर उर्फ फौजी के डेढ़ बीघा

जमीन के प्लॉट को लेकर था। अभियुक्त कल्लू पुत्र मदारी (निवासी बाघऊ) ने इस प्लॉट को खरीदने के लिए बात की थी और 1 करोड़ 20 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। इसके लिए आधे रुपये बबराला के एक व्यक्ति और आधे रुपये कल्लू व सैमरी के जाकिर आदि ने जुटाने की बात की थी। हालांकि, साबिर (निवासी रजपुरा) और उसके साथियों ने इस प्लॉट की कीमत 1 करोड़ 35 लाख रुपये कर दी, जिससे कल्लू पक्ष को 15 लाख रुपये के नुकसान का दावा था। इसी विवाद को लेकर 4 अक्टूबर को कस्बा रजपुरा में टिकटा रोड तिराहे के पास दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों, सरिया और लोहे के पाइप से मारपीट और झगड़ा हुआ। अभियुक्तों ने बताया कि हिसाब-किताब के लिए वे प्लॉट पर आए थे और झगड़े की आशंका से हथियार साथ लाए थे। थाना रजपुरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बहजोई में सर्वहितकारी मिलेट्स स्टोर का भव्य शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों, कमिश्नर व जिलाधिकारी की रही प्रमुख उपस्थिति

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत सर्वहितकारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित मिलेट्स (श्री अन्न) स्टोर का सोमवार देर रात बहजोई कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा) और गुलाब देवी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार, माध्यमिक शिक्षा) ने फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। दोनों अतिथियों ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्री अन्न अभियान से मिलेट्स का प्रसार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा। यह स्टोर किसानों और उपभोक्ताओं के लिए सेहत और स्वावलंबन का प्रतीक बनेगा। गुलाब देवी ने मिलेट्स को पारंपरिक और पोषक अनाज बताते हुए इसे किसानों की आय दोगुनी करने का सशक्त माध्यम बताया। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने इस पहल को पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय मॉडल बताया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने इसे सम्भल जनपद के ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। कंपनी निदेशक सम्भव जैन ने कहा कि स्टोर का उद्देश्य अच्छा स्वाद, बेहतर सेहत – मिलेट्स के साथ के नारे को हर घर तक पहुँचाना और स्थानीय किसानों को सम्मानजनक मूल्य दिलाना है। कार्यक्रम में मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेन्द्र सिंह, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी सहित काफी लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्टोर का अवलोकन कर मिलेट उत्पादों की जानकारी ली।

वरषात के वीच पूणार्हुति के वाद मनौना धाम मे हुयी बाबा के शीश की स्थापना

मनौना धाम मे प्रभू श्याम के शीश की स्पाथना के वाद हजारो श्याम भक्तो ने किए दर्शन मनौना धाम शिलान्यास जन्मोत्सव तथा स्थापना दिवस मनाया गया हजारो श्याम भक्तो ने *भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया*

आबला (सब का सपना): – द्दढ संकल्प द्दढ इच्छा और आत्म विश्वास इंसान के पास हो तो वो क्या नही कर सकता है आपको वता दे मनौना आवला वरेली गाव के रहने वाले संयासी प्रभू श्याम के अन्न भक्त महंत ओमेन्द्र महाराज ने वो कार्य अपने द्दढ संकल्प इच्छा और आत्म विश्वास परिश्रम से कर दिया जो साधारण व्यक्ति नही कर सकता उन्होने मनौना गाव को देश विदेश मे जीवन धाम के नाम से प्रसिद्ध कर दिया । उन्होंने 7 अक्टूबर 2020

को अपनी पैतृक जमीन पर वाबा श्याम के भव्य मंदिर बनवाने के लिए आधारशिला रखी । आधार शिला रखते है कठिनाइयों का सामना करना शुरू हो गया कुछ दिन वाद मंदिर निर्माण के लिए लाखो रुपये कर्ज हो गया लेकिन उन्होंने आत्म विश्वास को बनाए रखा और निर्माण कार्य उच्चकोटि का जारी रखा । 7 अक्टूबर 2025 यानि 5 साल वाद उनके जीवन का सवसे बढा संकल्प पूरा हो गया और वाबा का भव्य मंदिर तथा तोरण द्वार बनकर तैयार हो गया जिसका शुभारम्भ हो चुका है 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर प्रभू श्याम के शीश की स्थापना का कार्य काशी वनारस से पधारे आचार्य पं विमलेश दुबे के आचार्यत्व मे सप्तरिषी अशोक कुमार पाण्डे जयप्रकाश पाण्डे भरत पाण्डे राजेश मिश्रा कमलेश दूबे तथा संदीप दूबे ने विधि विधान से कार्यक्रम के मुख्य यजमान ओमेन्द्र महाराज के कर कमलो से सम्पन्न कराए। चूकि 7 अक्टूबर को मंदिर की आधार शिला रखी गयी थी 7 अक्टूबर को ही महंत जी महाराज का जन्म हुआ था और 7 अक्टूबर 2025 को वरषात की फुआर के साथ पूणार्हुति के साथ प्रभू श्याम के शीश की स्थापना हुयी, देर शाम महंत ओमेन्द्र महाराज महाराज का जन्मोत्सव कार्यक्रम भी भव्य रूप से मनाया गया तथा हजारो श्याम भक्तो ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया ।

पुराना बाजार रंगमंच पर नन्हे-मुन्नों का बूगी वूगी डांस कंपटीशन, आयुषी ने मारी बाजी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई पुराना बाजार रंगमंच पर रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित बूगी वूगी डांस कंपटीशन में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू ने फीता काटकर और मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। यह आयोजन साहू ज्योति स्वरूप सर्राफ की स्मृति में उनके नाती मेहुल सर्राफ द्वारा प्रायोजित किया गया था। लगभग 30 बच्चों ने इस डांस कंपटीशन में हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। आयुषी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि एंजेल को द्वितीय और स्वाति यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। गौ सेवा संस्थान समिति ने एक प्रतिभागी बच्चे को साइकिल भेंट की। सभी बच्चों को पुरस्कृत कर उनकी प्रतिभा को सराहा गया। निर्णायक मंडल में ममता राजपूत बबराला, शिखा, नैना और कमल कुमारी शामिल थीं। रामलीला कमेटी के सदस्यों कपिल मोबाइल, यशवर्धन, राम भगत जी, कपिल गुप्ता, तनुज गुरु, डोरीलाल, आशीष बाजाज, शिवम टंडन, यश नंदन और गोविंद तंबाकू ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में दर्शकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया।

भारतीय मानव कल्याण समिति को मिला सम्मान पत्र

चंदौसी/सम्भल। सब का सपनाः- जनपद संभल में चल रहे सात दिवसीय कल्कि महोत्सव के कार्यक्रम में विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 की पहल को सशक्त बनाने के लिए शैक्षिक,सामाजिक एवम सांस्कृतिक कार्यो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा भारतीय मानव कल्याण समिति के पदाधिकारियो को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रबन्धक डॉ टीएस पाल, विपिन वार्ष्णेय, ओमप्रकाश गुप्ता, एड.धारा सिंह, सुशील वार्ष्णेय, मुनेश धनगर आकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

रोडवेज बसों की दुर्दशा, प्राइवेट बसों का बोलबाला, राजस्व को नुकसान, कार्यवाही कब

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई से होकर गुजरने वाली प्राइवेट बसें बहजोई, संभल, हसनपुर,से होते हुए गजरौला,से दिल्ली तक का सफर तय कर रही हैं, जबकि सरकारी रोडवेज बसें सड़कों पर लगभग खाली दौड़ रही हैं। किसी बस में 5 सवारी तो किसी में मुश्किल से 10 सवारी नजर आती हैं। रोडवेज बसों की इस दुर्दशा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर इनका जिम्मेदार कौन है। प्राइवेट बसों का किराया सस्ता होने के साथ-साथ उनकी सेवा भी तेज और सुविधाजनक है। सादा और डबल-डेकर प्राइवेट बसें यात्रियों को आकर्षित कर रही हैं, जिसके चलते रोडवेज बसें खाली रह जा रही हैं। अगर यही स्थिति रही तो सरकार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बहजोई ,संभल से दिल्ली जाने वाली कई प्राइवेट बसें बिना परमिट के चल रही हैं। सवाल उठता है कि आखिर ये बसें किसके इशारे पर बेरोकटोक दौड़ रही हैं? इन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर संबंधित अधिकारी इस मामले में संज्ञान लें तो सरकार को काफी फायदा हो सकता है, लेकिन जिनके संरक्षण में ये बसें चल रही हैं, उन्हें नुकसान होने का डर है। इतना ही नहीं, ये प्राइवेट बसें केवल यात्रियों को ढोने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ट्रांसपोर्ट का काम भी कर रही हैं। इनमें भारी

मात्रा में सामान लादा और उतारा जाता है, जिसके बदले बस मालिक मोटी रकम वसूलते हैं। रोडवेज की बदहाली और प्राइवेट बसों के अवैध संचालन पर प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो सरकारी बस सेवा पूरी तरह ठप हो सकती है। संबंधित अधिकारियों से मांग की जा रही है कि इस मामले की गहन जांच हो और अवैध रूप से चल रही प्राइवेट बसों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

राहुल बोले-रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्या

रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़ तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। राहुल ने मंगलवार को पर लिखा- संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने, लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब ह्यबाबाह्ल वाले हैं। इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। इस मामले में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ साझा लेटर भी लिखा है। जिसे दोनों नेताओं ने पर शेयर किया। इसमें लिखा है, 'रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है। हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।' राहुल-खड़गे ने लिखा है, 'देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व। चाहे हाथरस और उन्नाव में महिलाओं के खिलाफ अपराध हों या रायबरेली में हरिओम की हत्या। कुछ समय पहले रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या हुई। मध्य प्रदेश में एक नेता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की अमानवीय घटना भी सामने आई। ओडिशा और मध्य प्रदेश में दलितों की निर्मम पिटाई हो या फिर हरियाणा के पहलू खान और उत्तर प्रदेश के अखलाक की हत्या। हर घटना हमारे समाज, प्रशासन और सत्ताधारी शक्तियों की बढ़ती हुई संवेदनहीनता का दर्पण है।' राहुल-खड़गे ने लिखा, '2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोजर अन्याय और भीड़तंत्र जैसी प्रवृत्तियां हमारे समय की भयावह पहचान बन चुकी हैं। हिंसा किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं हो सकती है, इसलिए हरिओम के साथ जो हुआ, वह हमारी सामूहिक नैतिकता पर गहरा प्रश्न है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों का भारत और महात्मा गांधी के 'वैष्णव जन...' का भारत सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना का भारत है, जिसमें ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं। मानवता ही एकमात्र रास्ता है।' उन्होंने लिखा, 'कांग्रेस पार्टी समाज के वंचित और कमजोर तबकों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हम नागरिकों से आह्वान करते हैं कि वे इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हों। यह लड़ाई तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक हर भारतीय के अधिकारों और जीवन की गरिमा को पूर्ण सुरक्षा नहीं मिल जाती है।' रायबरेली के ऊंचाहार थाना क्षेत्र के ईश्वरदासपुर गांव में 2 अक्टूबर को एक युवक की लाश रेलवे ट्रैक के किनारे मिली थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक के शरीर पर पिटाई के निशान थे। सिर पर गहरी चोट, छाती पर बेल्ट के निशान और पूरे शरीर पर नीले-काले दाग थे। पुलिस ने युवक का नाम हरिओम पुत्र गंगादीन (38) बताया था। वह फतेहपुर जिले के तरावती का पुरवा गांव का रहने वाला था। वह 1 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे ऊंचाहार-डलमऊ मार्ग पर ईश्वरदासपुर की ओर जा रहा था। तभी 24-25 गांववालों ने उसे पकड़ लिया। गांव वाले उससे पूछताछ करने लगे। हरिओम ने बताया कि वह पास के ही गांव में रहता है, लेकिन गांव वाले नहीं माने। इसके बाद उसे डंडे और बेल्ट से मारने-पीटने लगे। फिर उसे अधनंगा कर दिया। उसकी ही शर्ट से दोनों हाथ बांधे। उस पर डंडे-बेल्ट बरसाते रहे। अधमरा करने के बाद लोग उसे गांव के बाहर नहर किनारे ले गए थे। एक खंभे में बांधकर पीटा। युवक बार-बार कहता रहा कि मैं चोर नहीं हूं, लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। पिटाई के बाद युवक को अधमरी हालत में रेलवे ट्रैक के किनारे फेंक दिया था। हरिओम की पत्नी पिंकी के मुताबिक, पति मानसिक रूप से कमजोर था। रायबरेली में मुझसे मिलने आ रहा था। पिंकी, ऊंचाहार में NTPC परिसर में पंजाब नेशनल बैंक में सफाई कर्मचारी है। गेट नंबर-2 के सामने पिंकी का मायका है। इस समय वो मायके में रह रही थी। पहला वीडियो- 3 अक्टूबर की सुबह सामने आया। इसमें साढ़े 6-7 बजे के बीच रेलवे ट्रैक के किनारे खून से लथपथ हालत में एक युवक का शव दिख रहा है दूसरा वीडियो- 3 अक्टूबर को दोपहर में 2 बजे सामने आया था। इसमें कुछ लोग लाठी-डंडे से एक युवक को चोर-चोर कहकर पीट रहे थे तीसरा वीडियो- 4 अक्टूबर (शनिवार) को सामने आया। इसमें युवक को पीटने वाले ग्रामीणों ने उसका नाम-पता पूछा। इस पर उसने चिल्ला कर कहा- राहुल गांधी। इसके बाद पीट रही भीड़ में से एक युवक ने कहा- यहां सब बाबा वाले आदमी हैं चौथा वीडियो- 6 अक्टूबर को सामने आया। इससे पता चलता है कि पुलिस चाहती तो युवक की जान बच सकती थी। युवक को ड्रोन चोर समझकर भीड़ ने घेर रखा था। सूचना पाकर ढफर पहुंची। जीप में बैठे-बैठे एक पुलिसकर्मी ने कहा- जाने दो, जहां जाना चाहता है। फिर वहां से पुलिस निकल गई। इसके बाद उग्र भीड़ ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी इससे पहले मृतक के परिजनों से मिलने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष फतेहपुर में उनके घर पहुंचे थे। अजय राय ने कहा था- युवक को बेरहमी से मारा गया। यह जंगलराज की सरकार है जो योगी बाबा की चल रही है। मार भी रहे हैं और कह रहे हैं कि हम बाबा वाले हैं। उन्होंने कहा था- राहुल जी का हर एक कार्यकर्ता, हर एक बब्बर शेर, पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। हमारे नेता ने भी पीड़ित परिवार से बात की है। हम उन्हें न्याय दिलाएंगे। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। राहुल गांधी ने 3 बार फोन किया, 15 मिनट बात हुई फतेहपुर के रहने वाले हरिओम के भाई शिवम ने बताया कि राहुल गांधी से रात करीब 9 बजे से 9:35 बजे के बीच तीन बार फोन पर बात हुई। पहली बार रात 9:10 बजे उन्होंने फोन किया। उस वक्त मेरे पिता गंगादीन बाथरूम में थे, इसलिए फोन मैंने उठाया। राहुल गांधी ने कहा- मैं राहुल गांधी बोल रहा हूं। आपके पिता जी कहां हैं? मैंने कहा कि पिताजी बाथरूम में हैं, लौटकर आने पर बात कराएंगे। इसके बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गया। दूसरी बार 9:25 बजे उनका फोन आया। मैंने फोन उठाया, लेकिन बातचीत नहीं हो पाई और उनका कॉल कट गया। तीसरी बार 9:35 बजे फिर से कॉल आया। इस बार मेरे पिता गंगादीन ने फोन रिसीव किया। राहुल गांधी ने उनसे कहा- मैं आपके परिवार के साथ खड़ा हूं। हर संभव मदद करने की कोशिश करूंगा। आपकी तबीयत कैसी है? इसके बाद पिता ने मुझे फोन पकड़ा दिया। मैंने कहा- सर, हम लोग बहुत परेशान हैं। इस पर उन्होंने कहा- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। जवाब में मैंने कहा- फोन पर तो सब लोग बात करते हैं, लेकिन जब कोई सामने आए, तभी समझ आता है कि कौन मदद करना चाहता है और कौन नहीं। हमारे पास विधायकों के भी फोन आ रहे हैं, अब समझ नहीं आ रहा कि कौन अपना है और कौन पराया। राहुल गांधी ने कहा- कल कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता आपसे मिलने आएंगे। बातचीत करीब 15 मिनट चली, जिसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया। मृतक के परिजनों से मिलने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष फतेहपुर में उनके घर पहुंचे और वहां मीडिया से बात की। अजय राय ने कहा- युवक को बेरहमी से मारा गया। यह जंगलराज की सरकार है जो योगी बाबा की चल रही है। मार भी रहे हैं और कह रहे हैं कि हम बाबा वाले हैं। हरिओम की हत्या इस वजह से की गई कि उसने राहुल गांधी का नाम लिया, इस सवाल पर अजय राय ने कहा- आरोपियों ने कहा था, ह्यहम बाबा वाले हैंह्ल। उस बच्चे ने राहुल जी का नाम लिया था। राहुल जी का हर एक कार्यकर्ता, हर एक बब्बर शेर, पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। हमारे नेता ने भी पीड़ित परिवार से बात की है। हम उन्हें न्याय दिलाएंगे। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। राय ने आगे कहा कि लोगों ने बताया पुलिस वहां मौजूद थी, पर पुलिस को चाहिए था कि वो उसे थाने ले जाए। लेकिन पुलिस ने उसे मरने के लिए छोड़ दिया। राय ने कहा- पीड़ित परिवार की मांग है कि जिस तरह से ह्यबाबाह्ल की प्रक्रिया होती है, आरोपियों पर वहीं हो। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, परिवार को एक करोड़ रुपए और सरकारी नौकरी देने की मांग की है। राय ने कहा कि जब मैं यहां पहुंचा तो परिवार ने बताया कि राहुल गांधी का नाम लेने के बाद आरोपियों ने पीड़ित को और भी अधिक पीटा। लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। राय बोले- अगर किसी पर चोरी या कोई अन्य आरोप है तो उसे पुलिस के हवाले किया जाना चाहिए। जब राहुल गांधी का नाम सामने आया और आरोपियों ने कहा ह्यहम बाबा वाले हैंह्ल, तो यह साबित होता है कि यह जंगलराज की सरकार है। बाबा बढ़ावा दे रहे हैं और हत्याएं करवा रहे हैं।

जैसे मेरे पति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई है, वैसे ही उन हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मेरे पति पढ़े-लिखे थे और उन्होंने इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की थी। उनकी हत्या बहुत ही निर्दयता से की गई। मुझे मेरे साथ इंसाफ चाहिए। मेरे पति का मानसिक इलाज चल रहा था और बेटी होने के कारण ससुराल वालों से हमारे मनमुटाव भी थे। मेरी एक बेटी अनन्या 12 साल की है। मैं राहुल गांधी से अनुरोध करती हूँ कि मुझे इंसाफ दिलाएं और मेरा सहयोग करें। बाकी बचे अपराधियों को भी जेल भेजा

संक्षिप्त डायरी

आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता

कुशीनगर। वाइटल केयर फाउंडेशन कसया, कुशीनगर द्वारा बाल्मीकि समाज और प्रबुद्ध लोगों के साथ आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती शुभम हॉस्पिटल सबया कुशीनगर में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर महाकाव्य रामायण के रचयिता आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जयंती पर बाल्मीकि समुदाय के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर, बीएड विभाग के अध्यक्ष डॉ निगम मौर्य ने महर्षि बाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समरस समाज की स्थापना में उनके योगदान को रेखांकित किया। आपने बताया कि महर्षि बाल्मीकि भगवान राम का आदर्श समाज के सम्मुख रखा।इस राम नाम का ही प्रताप था कि 800 साल के गुलामी काल में भी हमारे पूर्वजों ने विधर्मियों के सभी कुत्सित प्रयासों को विफल करते हुए अपने धर्म की रक्षा की। विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला जज संतोष श्रीवास्तव ने बाल्मीकि समुदाय के शिक्षा, सामाजिक उन्नयन पर जोर दिया। डॉ सीएस सिंह ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि हम लोगों के प्रेरणा श्रोत हैं। जिन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम राम के चरित्र को घर घर पहुंचाया। प्रो राम प्रीत मणि त्रिपाठी, श्री प्रकाश राय, सुरेश प्रसाद गुप्ता, डॉ कालिंदी त्रिपाठी, मदन मोहन अग्रहरी ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि भगवान वरुण के दसवें पुत्र बाल्मीकि का जन्म वरुण के बीज के दीमक के किले में गिरने से हुआ था। महर्षि नारद के कहने पर मरा शब्द का जाप किया। वर्षों बाद यह शब्द राम बन गया। हिंदू धर्म महर्षि बाल्मीकि और बाल्मीकि सम्प्रदाय का सम्मान करती है और इस समुदाय के विकास के लिए चल रही योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। आयोजक गण द्वारा बाल्मीकि समुदाय के लोगों को रामनामी व बच्चों को स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। आयोजक और संस्था के प्रबंधक डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने कहाकी महर्षि बाल्मीकि जयंती पर निर्बल समुदाय को आगे बढ़ाने का संकल्प लें और समरस समाज के निर्माण को आगे आएं। सह आयोजक डॉ सीमा त्रिपाठी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन वीरेश कुमार राय ने किया। इस दौरान एड. रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, एड. ओमप्रकाश सिंह, राजीव रंजन यादव, आचार्य जनार्दन, प्रदीप राय, अमिय गुप्ता, दिनेश जायसवाल, रूपम सिंह, सुमन कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

ओबरा: 6 महीने से बकाया मजदूरी को लेकर उप जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन, दीपावली से पहले भुगतान की मांग

संवाददाता

सोनभद्र/ओबरा। ओबरा सी परियोजना में कार्यरत मजदूरों को 6 महीने से मजदूरी का भुगतान न मिलने के मामले में अपना दल (एस) के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री आनन्द पटेल दयालु ने उप जिलाधिकारी श्री विवेक कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। मजदूरों की व्यथा ओबरा सी परियोजना का निर्माण कर रही दुसान कंपनी के अंतर्गत TMC कंपनी द्वारा मजदूरों को पिछले 6 महीने से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। दशहरा का त्योहार बीत चुका है और दीपावली नजदीक आ रही है, लेकिन मजदूरों के पास अपने परिवार का भरण-पोषण करने और बच्चों की फीस देने तक के लिए पैसे नहीं हैं। श्री आनन्द पटेल दयालु ने कहा, 6 महीने से इन मजदूरों का घर कैसे चल रहा है, इनके बच्चों की स्कूल फीस कैसे दी जा रही है - यह एक गंभीर विषय है। एक महीने अगर किसी को वेतन न मिले तो उसका जीवन कैसा हो जाता है, यहां तो 6 महीने से लोग कैसे जी रहे हैं। दशहरा तो इन लोगों का फीका पड़ गया, उनके बच्चे नया कपड़ा तक नहीं पहन पाए। मजदूरों की दर्दभरी दास्तान मौके पर मौजूद मजदूर श्री कृष्ण कुमार और श्री अशोक कुमार मिश्रा ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि 6 महीने से मजदूरी न मिलने के कारण उनके परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। उन्होंने बताया, "हमारे बच्चों की स्कूल फीस जमा नहीं हो पा रही है, जिसके कारण स्कूलों में बच्चों को जलील किया जा रहा है। घर में एक समय का भोजन भी मुश्किल से बन पा रहा है। बीमारी की स्थिति में इलाज कराने के लिए भी पैसे नहीं हैं। हम किस हाल में जी रहे हैं, यह केवल हम ही जानते हैं। मजदूरों ने बताया कि उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं और बच्चों की शिक्षा पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सरकार की छवि पर असर ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसी घटनाओं से सरकार की छवि खराब होती है और ऐसे लोगों पर त्वरित कार्रवाई करने की जरूरत है। ज्ञापन सौंपने में शामिल लोग ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से श्री संतोष कनौजिया (जिला सचिव), जनाब शरीफ खान (जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मंच) के साथ कई मजदूर शामिल रहे, जिनमें श्री कृष्ण सिंह, श्री अशोक कुमार मिश्रा, श्री दीपू कुमार, श्री गोविंद कुमार, श्री राजेश कुमार यादव, श्री बैजनाथ, श्री मुकेश कुमार, श्री नागेंद्र कुमार प्रजापति, श्री कपिल यादव, श्री शशिकांत राय, श्री रितेश कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मजदूरों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करेगा और उन्हें दीपावली से पहले उनकी मेहनत की कमाई मिल सकेगी।

सफाई मित्रों का सम्मान: महर्षि बाल्मीकि ने पढ़ाया अध्यात्म का पाठ: श्रवण तिवारी

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सभागार में आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जयंती पर सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर नपा कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित किया। नपाप अध्यक्ष श्रीमती किरन राकेश जायसवाल और ईओ अंकिता शुक्ला के निर्देशन में मंगलवार को आयोजित सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वच्छता प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि रामायण महाकाव्य के रचनाकार थे। उन्होंने इस महाकाव्य के माध्यम से समाज को कर्तव्य, नैतिकता और अध्यात्म का पाठ पढ़ाया। श्री तिवारी, प्रधान लिपिक राजेश कुमार श्रीवास्तव, उग्रसेन, हरेंद्र यादव आदि ने सफाई मित्रों का माल्यार्पण किया और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मुस्तफा अंसारी रास बिहारी श्रीवास्तव, संजय यादव, विजय कुमार यादव, साकेत गोविंद राव, अमन, राजन, जुनैद, रिजवान, मुन्ना, राजकुमार, नवनीत सहित सफाई मित्र मौजूद थे।

समाजवादी पार्टी की बैठक में महर्षि वाल्मीकि की मनाई जयंती

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक पावर हाउस नई कॉलोनी में संपन्न हुई। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने समाज को समानता, न्याय और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार समाजवादी सोच की जड़ों में बसते हैं, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि उनकी प्रेरणा से हम सामाजिक न्याय और बराबरी वाले समाज के निर्माण का संकल्प दोहराते हैं। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि रामायण के रचयिता थे तथा उन्होंने समाज को मार्गदर्शन देने का महान कार्य किया। बैठक को संबोधित करने वालों में विमलेश कुमारी, राजेश कुमारी, संगीता पाल, ताहिर उल्लाह, उमेश यादव, सुभाष बाल्मीकि, ओमप्रकाश प्रजापति, शोभित कुमार काका, हरवीर यादव, शारदा यादव, सुनीता देवी, सुशीला देवी, पूरन लाल मौर्य, राजेश चौहान, कामरेड रेवाराम, बाहिद साहब, हरिओम उपाध्याय, मलखान सिंह, मां आकिल साहब, दाता राम भारती, जुनेद, रत्नेश भारती, सलीम राइन, राजीव रस्तोगी, सभासद अन्ना, रिकु सिंह, चौहान जयवीर सिंह, अमरीश यादव, रजत यादव, सुभाष पाल, मनोज, शमा असीम, अग्रवाल विपिन सक्सेना, हो राम सिंह जाटव, नेता जी, लाइक सिंह, वीरन यादव, शंकर लाल, अशोक कुमार, मुकेश कुमार बाल्मीकि, दिलीप कुमार बाल्मीकि, विजय बाल्मीकि, अलोक बाल्मीकि, रातिराम, कमल बाल्मीकि, संजय सिंह, बृजेश बाल्मीकि, राजीव बाल्मीकि, विपिन कुमार, सचिन बाल्मीकि, जीतू बाल्मीकि, आसिफ इकवाल चौधरी, मनवीर सिंह, आसिफ सिद्दीकी, साबिर खान, वी पी सिंह, असीम भाई, पंकज बाल्मीकि, साजिद कुरेशी, वीरपाल यादव, इंदरजीत यादव, सुमित, के.पी. यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्व. केश्वर यादव की पुण्यतिथि मनाई गई

कर्मो की बदौलत व्यक्ति याद किया जाता है: भंते महेंद्र

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत केश्वर इंटरमीडिएट कालेज बनवारीटोला में स्व. केश्वर यादव की छठवीं पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिक्षु ज्ञानेश्वर बुद्ध बिहार के प्रमुख भंते महेंद्र महाथेरो ने धम्म वन्दना की और कहा कि व्यक्ति अपने कर्मों की बदौलत याद किया जाता है। स्व. केश्वर यादव का जीवन सादगी भरा था और उन्होंने अपनी संतानों को जो संस्कार दिया। जिसकी देन है कि पूरा परिवार सेवा और शिक्षा की ओर अग्रसर है। श्री स्व. यादव के पौत्र और विद्यालय के प्रधानाचार्य पुरंदर प्रताप यादव ने अपने बाबा के साथ बीते पलों को यादव किया। इस दौरान स्व. यादव के सुपुत्र और पूर्व जिला पंचायत सदस्य मदन यादव, देवेंद्र प्रताप यादव, शेषनाथ यादव, हरेंद्र यादव, जगतराज चौहान, अमरजीत यादव, कमलेश। भारती, सतवीर कुशवाहा, अंबालिका यादव, शशिमा पटेल, गुड्डी मद्धेशिया, मुन्नी देवी सहित छात्र - छात्रा मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत के आर्थिक और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक: सहजानंद राय

संवाददाता

कुशीनगर। आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत के आर्थिक और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। जिसका लक्ष्य स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, नवाचार को प्रोत्साहन देना और भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। यह अभियान स्थानीय उत्पादों और कारीगरों पर गर्व करने की भावना पैदा करता है, जिससे देश आत्मनिर्भरता, समृद्धि और स्वाभिमान की ओर बढ़ता है।स्वदेशी अपनाने की पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान का हिस्सा है। भारत अब किसी देश पर निर्भर नहीं रहेगा। यह बातें भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने मंगलवार को कुशीनगर में पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा।क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राय ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान आर्थिक स्वावलंबन की पहल नहीं बल्कि देश के स्वाभिमान का हिस्सा भी है। प्रधानमंत्री मोदी के लोकल फॉर वोकल के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। भारत अब किसी देश पर निर्भर नहीं रहेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बताया कि भाजपा द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अन्तर्गत 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक बृहद कार्ययोजना तैयार किया गया है। इस क्रम में प्रदेश, जिला और मण्डल स्तर की कार्यशालाएं सम्पन्न हो चुकी है। 07 व 08 अक्टूबर को जिला स्तर पर प्रेसवार्ता आयोजित किए जाएंगे।16 से 30 अक्टूबर तक जिला स्तर पर युवा एवं महिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 01 से 15 नवंबर तक जिला स्तर पर प्रोफेशनल सम्मेलन होंगे। 01 से 15 नवंबर तक ही कालेज स्तर पर स्वदेशी संकल्प सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। 16 से 30 नवंबर तक जिला स्तर पर स्वदेशी मेला लगाई जाएगी।16 से 30 नवंबर तक ही मण्डल स्तर पर युवा एवं महिला सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 01 से 15 दिसंबर मण्डल स्तर पर स्ट्रीट वेंडर, छोटे दुकानदारों एवं स्थानीय कारीगर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 01 से 25 दिसंबर तक जिला स्तर पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ और पदयात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, जिला उपाध्यक्ष व आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान जिला संयोजक अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, गोपाल जी राय उपस्थित थे।

क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या से जूझ रहें उपभोक्ता

संवाददाता

बीजपुर। विभिन्न इलाके के मोबाइल टावरों से जुड़े उपभोक्ताओं ने नेटवर्क गायब होने से मोबाइल सोपिस बन गया है। जहा विभिन्न कंपनिया बेहतर नेटवर्क 5 जी का दावा कर ग्राहकों का जेब डिले कर रहे है। वही ग्राहक नेटवर्क के लिए आरोप लगाया की जब बिजली रहेगी तभी मोबाइल टावर का नेटवर्क रहता हैं। नहीं तो गायब हो जाता है।आए दिन नेटवर्क फेल होने की समस्या को लेकर उपभोक्ताओं में अक्रोस पनप रहा हैं आक्रोश कभी फूट सकता है। ग्राहकों ने मोबाईल टावर कंपनियों के उच्चाधिकारियों से समस्या का समाधान करने मांग किया है। क्षेत्र के बीजपुर,नेमना,सिरसोती,बकरिहवा,पिंडारी,महरिकला,झीलों, लीलाडेवा,सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में लगे मोबाइल टावर बी एस एन एल, जियो,एयरटेल के टावर विद्युत आपूर्ति बहाल रहने के दौरान ही मोबाइल टावर के नेटवर्क कार्य करते है बिजली कटी तो नेट वर्क ध्वस्त हो जाता है जिससे लोगो की जरूरत पर बात करना किसी से कही भी नहीं हो पाता।बिजली आपूर्ति का भी बुरा हाल जिसका कोई भरोसा ही नहीं रहता कि कब आएगी और कब जाएगी। उपभोक्ता रिंकू, प्रदीप, संतोष,सीरमेश,सीताराम ,सोमारु, शिवकुमार, अमित सहित सैकडो उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि विद्युत आपूर्ति नहीं होने के बाद टावरों में जेनरेटर की व्यवस्था होने के बाद भी तैनात कर्मचारी जनरेटर को चलाते ही नहीं बल्कि कागजी कोरम पूरा कर पैसे का बंदर बाट कर लिया जाता है। रख रखाव के अभाव में मोबाइल टावर के नेट वर्क ध्वस्त होने से उपभोक्ता परेशान होते है शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जाता केवल रिचार्ज के नाम पर उपभोक्ताओं को ठगा जा रहा है।

श्री आनंदपुर साहिब होगा पंजाब का 24वां जिला? इस दिन मान सरकार कर सकती है घोषणा, होशियारपुर की सीटें होंगी शामिल

चंडीगढ़। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस पर राज्य सरकार श्री आनंदपुर साहिब को जिला बनाने की घोषणा कर सकती है। यह राज्य का 24वां जिला होगा। इसे लेकर कवायद भी चल रही है। राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को इस जिले में कौन कौन से क्षेत्र शामिल कर सकते हैं, इसका पता लगाने को कहा है। दरअसल में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस को राज्य सरकार बड़े पैमाने पर मनाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। पहली बार पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र भी विधानसभा से बाहर श्री आनंदपुर साहिब में करवाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि आनंदपुर साहिब को अगर जिला बनाया जाता है तो इसमें कौन से दो विधानसभा हलकों को रखा जाए, इस पर भी चर्चा चल रही है।खर्चा का है अहम सवाल आनंदपुर साहिब इस समय रोपड़ जिले का हिस्सा है जिसमें तीन

विधानसभा हलके आते हैं। रोपड़, श्री आनंदपुर साहिब और श्री चमकौर साहिब। श्री आनंदपुर साहिब के पड़ोसी जिले होशियारपुर में छह सीटें हैं। यह भी चर्चा है कि इस जिले की एक या दो सीटों को श्री आनंदपुर साहिब में शामिल कर लिया जाए। श्री आनंदपुर साहिब के साथ होशियारपुर जिले की गढ़शंकर सीट लगती है, लेकिन असल सवाल नए जिले में सीटों को शामिल करने का नहीं बल्कि नए जिले पर होने वाले खर्च को लेकर भी है। 28 करोड़ रुपये वार्षिक देना होगा वेतन विभागीय सूत्रों का कहना है कि एक नया जिला बनाने में 560 करोड़ रुपये तो उसमें बनने वाले नए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ही आता है, जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए दफ्तर, आवास आदि शामिल हैं। इसके अलावा नई जिला अदालतें, उनमें काम करने वाले जजों के लिए आवास आदि पर भी खर्च आता है। यही नहीं,हर नए जिले पर अतिरिक्त अधिकारियों और कर्मचारियों पर खर्च करने पर भी 28 करोड़ रुपये वार्षिक वेतन बढ़ने के भी आसार हैं। ऐसे में पहले से ही वित्तीय संकट से जूझ रही सरकार के लिए इस अतिरिक्त खर्च को वहन करना मुश्किल होगा। दूसरा विभागीय अधिकारियों में इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही है कि क्या श्री आनंदपुर साहिब को जिला बनाने की जरूरत है? या सिर्फ राजनीतिक फैसला है? एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय मालेरकोटला को जिला बनाया गया और इसमें दो विधानसभा सीटें मालेरकोटला और अमरगढ़ शामिल की गईं, लेकिन कांग्रेस ये दोनों सीटें हार गई। जिलास्तरीय आधारभूत ढांचा नहीं हो पाया विकसित उनका कहना था कि अगर बहुत बड़े जिले हों और लोगों को अपने काम करवाने के लिए दिक्कत आ रही हो तब तो यह बात समझ में आती है लेकिन एक बहुत ही छोटे जिले को तोड़कर उसका एक और जिला बनाना किसी भी रूप से तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मालेरकोटला जिला बने हुए चार साल से ज्यादा का समय हो चुका है लेकिन आज तक वहां जिला स्तरीय आधारभूत ढांचा विकसित नहीं हो पाया। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाई कोर्ट ने मालेरकोटला के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसएसपी) को सरकारी आवास खाली करने संबंधी जो आदेश दिया था ,को वापस लेने की मांग को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने खंडपीठ ने सरकार की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि मालेरकोटला को जून 2021 में जिला बनाया गया और अगस्त 2023 में इसे सत्र डिवीजन घोषित किया गया, लेकिन अब तक न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचा तक खड़ा नहीं हुआ। चीफ जस्टिस ने सख्त लहजे में कहा था कि चार साल बीत गए लेकिन आपने जजों के लिए आवास तक तैयार नहीं किए।

कपूरथला में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, ढिलवां टोल प्लाजा पर 4 क्विंटल नकली खोया जब्त; मौके पर नष्ट

कपूरथला। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के निदेशों तथा डीसी अमित पंचाल और सिविल सर्जन डॉ. संजीव भगत के आदेशों के तहत फूड सेफ्टी विंग कपूरथला की टीम ने आज तड़के एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार क्विंटल नकली खोया बरामद किया। यह कार्रवाई सहायक फूड कमिश्नर डॉ. हरजोत पाल सिंह की अगुवाई में सुबह 5 बजे ढिलवां टोल प्लाजा (जिला कपूरथला) पर लगाए गए नाके के दौरान की गई। टीम ने राजस्थान से श्री अमृतसर साहिब जा रही एक बस (नंबर एनएल 02बी 6011) को रोका, जिसमें खोया छिपाकर अमृतसर की मिठाई की दुकानों को सप्लाई करने के लिए ले जाया जा रहा था। बस चालक हेमराज पुत्र जय नारायण (निवासी जयपुर, राजस्थान) ने पूछताछ में बताया कि यह खोया श्याम पुत्र कन्हैया लाल (निवासी चुरू, राजस्थान) का है। मौके पर बुलाए जाने पर श्याम ने स्वीकार किया कि यह खोया अमृतसर की विभिन्न मिठाई की दुकानों को सप्लाई किया जाना था। डॉ. हरजोत पाल सिंह ने बताया कि बस से कुल लगभग चार क्विंटल खोया बरामद हुआ, जिसे बड़े पॉलीथीन बैगों में लगभग 25-25 किलोग्राम की पैकिंग में पैक किया गया था। सैंपल लेने के बाद पूरा नकली खोया मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, ताकि यह बाजार में न पहुंच सके।

कपूरथला में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार क्विंटल नकली खोया बरामद किया। यह खोया राजस्थान से अमृतसर ले जाया जा रहा था और मिठाई की दुकानों में सप्लाई किया जाना था। सहायक फूड कमिश्नर डॉ. हरजोत पाल सिंह के नेतृत्व में ढिलवां टोल प्लाजा पर नाकेबंदी के दौरान यह कार्रवाई की गई। खोये के नमूने लेकर उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

दीवाली से पहले पंक्चर बनाने वाले की चांदी, लगी डेढ़ करोड़ की लॉटरी; बताया कहां खर्च करेगा पैसा

मानसा। पंजाब सरकार की डेढ़ करोड़ की लॉटरी मानसा के मैकेनिक मनमोहन सिंह को निकली है। लॉटरी खुलने का पता चलने के बाद मनमोहन सिंह व उसका परिवार में खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। लॉटरी का ड्रॉ निकलने के बाद मनमोहन सिंह व उसके परिवार को बधाई मिलने का सिलसिला जारी है। जानकारी के अनुसार मानसा कैचियां पर टायर पंचर का काम करने वाले मनमोहन सिंह ने बताया कि वे कई बार जलालाबाद जाने के दौरान शाह जी लॉटरी स्टॉल पर लॉटरी डाल चुका है और उसे छोटे इनाम भी मिले हैं, लेकिन जब भगवान की कृपा होनी हो तो मंजिल कभी कभार खुद चलकर भी पास आ जाती है और इस बार लॉटरी डालने के लिए उसने जलालाबाद जाने की बजाय शाह लॉटरी संचालक से फोन के द्वारा लॉटरी डाली और कोरियर के जरिए मंगवाई गई। घर में चारों ओर खुशी परिवार में उसकी दो बेटियों के अलावा बुजुर्ग माता भी मौजूद हैं। लॉटरी से मिलने वाले डेढ़ करोड़ को लेकर भविष्य की योजना पूछे जाने पर मनमोहन सिंह ने बताया कि लॉटरी से वे अपने सिर चढ़े कर्ज को उतारेगा, क्योंकि पिता के इलाज पर काफी कर्ज चढ़ गया था। मनमोहन सिंह के पिता की मौत हो चुकी है। उसने कहा कि वह गरीब लोगों की मदद पहले भी करता था और अभी भी करेगा। मनमोहन सिंह ने बताया कि वे अपने बच्चों की अच्छी परवरिश करने के अलावा अपने इस कारोबार को आगे बढ़ाएंगे। मनमोहन ने बताया कि बेशक उसे लॉटरी निकल आई है, लेकिन वे अपने इस काम को नहीं छोड़ेगा।

'रोशन पंजाब पहल से भगवंत मान का 24 घंटे किफायती बिजली का वादा, 5 हजार करोड़ से चमकेगा बिजली ढांचा

चंडीगढ़। पंजाब में अब बिजली कटौती का झंझट खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार ने रोशन पंजाब योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत आने वाले साल तक पूरे राज्य में 24 घंटे लगातार और सस्ती बिजली देने का वादा किया गया है। यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि पंजाब के हर घर, हर खेत और हर उद्योग को रोशन करने का मिशन है। सरकार ने इस काम के लिए ड्ड5,000 करोड़ का बड़ा निवेश किया है। पंजाब के इतिहास में बिजली के क्षेत्र में यह अब तक का सबसे बड़ा खर्च है। इसका मकसद है, पूरे बिजली सिस्टम को नई ताकत देना, ताकि हर गांव और हर शहर तक बिना रुकावट बिजली पहुंच सके। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह कदम पंजाब के विकास और जनता के भरोसे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में न कोई फैक्ट्री बिजली के इंतजार में रुकेगी, न कोई किसान अंधेरे में रहेगा। हर

घर को 24 घंटे बिजली मिलेगी, और वह भी सस्ती दरों पर। इस परियोजना की निगरानी बिजली मंत्री श्री संजीव अरोड़ा कर रहे हैं, जबकि **PSPCL** के चेयरमैन अजय कुमार सिन्हा और उनकी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है ताकि हर कोने तक बिजली पहुंचाई जा सके। मान सरकार ने बिजली की निरंतर आपूर्ति के लिए ठोस कदम उठाए हैं। पच्छवाड़ा खदान से कोयले की लंबी अवधि की सप्लाई पक्की कर दी गई है, ताकि बिजली उत्पादन कभी न रुके। साथ ही, सरकार ने **GVK** थर्मल प्लांट को अपने अधीन लेकर यह सुनिश्चित किया है कि बिजली उत्पादन का पूरा नियंत्रण पंजाब सरकार के पास रहे, ताकि इसका लाभ सीधे जनता को मिले। पूरे पंजाब में बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए नए सबस्टेशन बनाए जा रहे हैं, पुरानों की मरम्मत हो रही है और नई तारें बिछाई जा रही हैं। इन सुधारों से लोगों को वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी, बिजली कट कम होंगे और खराबी आने पर बिजली जल्दी बहाल होगी। शहरी इलाकों में सुरक्षा और सफाई को ध्यान में रखते हुए 13 नगर निगमों में एक विशेष प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके तहत ढरढउछ के खंभों से गैर-बिजली के तार हटाए जा रहे हैं, नीचे लटकी हुई लाइनें ठीक की जा रही हैं और खुले मीटर बॉक्स को बंद किया जा रहा है, ताकि लोगों को सुरक्षित और साफ-सुथरा माहौल मिल सके। जनता की सुविधा के लिए मोहाली में नया, आधुनिक कॉल सेंटर शुरू किया गया है, जिसमें 180 सीटें हैं। यह 1912 हेल्पलाइन को और मजबूत बनाएगा, ताकि लोगों की शिकायतों का तुरंत हल हो सके। ह्यरोशन पंजाबह्व योजना का असली मकसद है जनता को भरोसेमंद, सस्ती और लगातार बिजली देना। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह केवल बिजली की बात नहीं, बल्कि पंजाब के उज्जवल भविष्य की नींव है। अब पंजाब का हर घर, हर खेत और हर उद्योग सचमुच रोशन होगा, यही है ह्यरोशन पंजाब का सपना।

होशियारपुर: बेटे की चाह में बहू को प्रताड़ित कर रहे थे ससुराल वाले, तंग होकर दो बेटियों की माँ ने दे दी जान

होशियारपुर। बेटे की लालसा रखने वाले ससुरालियों ने शादी के बाद विवाहिता द्वारा दो बेटियों को जन्म के बाद इतना परेशान किया कि उसने आत्महत्या कर ली। मामला मुकेरियां का है। मृतका की पहचान कुलदीप कौर पुत्री भाग सिंह पत्नी गुरजिंदर सिंह निवासी मुकेरियां के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में तीन महिलाओं पर मामला दर्ज किया है, जिनकी पहचान जसवीर कौर पत्नी पलविंदर सिंह निवासी सहालिया (हाजीपुर), राजविंदर कौर पत्नी हरदीप सिंह निवासी मेहतपुर (मुकेरियां) व मनिंदर कौर पत्नी रणजीत सिंह निवासी भल्लोवाल (हाजीपुर) के रूप में हुई है। पुलिस ने यह मामला मृतका के भाई मलकीत सिंह निवासी गुंजिया बेट, पुराना शाला (गुरदासपुर) के बयान के आधार पर दर्ज किया है। पुलिस को दिए अपने बयान में मलकीत सिंह ने बताया का उन्होंने अपनी बहन कुलदीप कौर की शादी गुरजिंदर सिंह के साथ की थी। शादी के बाद उसकी बहन ने दो बेटियों को जन्म दिया। ससुराल वालों को पहले से ही उम्मीद थी कि कुलदीप कौर बेटे को जन्म देगी। परंतु जब दो बेटियां हुई तो ससुराल वालों ने उसकी बहन को परेशान करना शुरू कर दिया। वह उसके साथ गाली गलौज करते थे। इस कारण उसकी बहन परेशान थी। हद तो तब हुई जब वह अपनी बहन से मिलने के लिए गया। इस दौरान बहन के ससुरालियों ने उसके सामने ही उसकी बहन को बुरा भला कहना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो उन्होंने उसकी बहन व उसकी दोनों बेटियों को घर से निकाल दिया। इसके बाद उसने अपनी बहन को मुकेरियां में किराए पर मकान लेकर दिया। फोन पर भी करते थे परेशान मलकीत सिंह ने बताया कि आरोपितों ने उसकी बहन को फोन पर भी हड़काना शुरू कर दिया था, जिससे परेशान होकर उसकी बहन ने जहरीली वस्तु निगल ली। वह अपनी बहन को तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मामला दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपित फरार हो गए। पुलिस आरोपितों को काबू करने के लिए छापेमारी कर रही है।

पटियाला में पिता-पुत्र की जोड़ी ने हवाई टिकट के नाम पर लूटे 27 लाख, फर्जी जमीन सौदे में भी लगाया चूना

पटियाला। पटियाला पुलिस ने ठगी के दो विभिन्न मामलों में चार व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसी के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस के पास दर्ज करवाई शिकायत में हरी सिंह निवासी आदर्श कालोनी पटियाला, मेजर झंडा सिंह निवासी मजीठिया एनक्लेव पटियाला और गुरदर्शन सिंह निवासी सिद्धू कालोनी पटियाला ने बताया कि आरोपित पिता-पुत्र साहिल थापर और अजय थापर निवासी पटियाला हाइट्स ने उन्हें एयर टिकट बुक करवाने का झांसा देकर 27 लाख 48 हजार रुपए की ठगी की। मामले संबंधी पता चलने के बाद आरोपितों ने न तो दोबारा टिकटें करवाई और ना ही उनके पैसे लौटाए। मामले की शिकायत पुलिस के पास दर्ज करवाई गई। फिलहाल पुलिस ने मामले संबंधी पिता पुत्र के खिलाफ ठगी की विभिन्न धाराओं के तहत के सर्च करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी तरह थाना बनूड़ में दर्ज मामले में पुलिस को दी शिकायत में ईश्वर सिंह निवासी खानपुर बंगड़ ने बताया कि आरोपित कपिल, हरदीप सिंह निवासी जयंती माजरी जिला मोहाली और बलजीत सिंह निवासी बगिंडी जिला मोहाली ने जमीन बेचने का झांसा देकर एक फर्जी बयान और रसीद करके उनसे ठगी की है। जिस संबंधी पता चलने पर उन्होंने मामले की शिकायत थाना बनूड़ पुलिस के पास दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस ने मामले संबंधी ठगी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा में पराली प्रबंधन के प्रयासों ने दिखाया रंग, 95 प्रतिशत घटे फसल अवशेष जलाने के मामले

चंडीगढ़। हरियाणा में किसानों को पराली (धान के फसल अवशेष) जलाने से रोकने को लेकर किए जा रहे प्रयास रंग लाने लगे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में पराली जलाने के मामलों में 95 प्रतिशत की कमी आई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल छह अक्टूबर तक जहां राज्य में पराली जलाने की 150 घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं इस बार अभी तक इनकी संख्या घटकर केवल सात रह गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई। मुख्य सचिव ने कहा कि यह हरियाणा के कृषि और प्रशासनिक ढांचे के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है, जिससे न केवल वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है बल्कि पर्यावरणीय सततता की दिशा में एक नई मिसाल भी कायम हुई है। सभी

जिलों में पराली सुरक्षा बल गठित किए गए हैं। रिपोर्ट की गई सात घटनाओं में से तीन में चालान और कृषि अभिलेखों में रेड एंट्री के साथ एफआइआर भी दर्ज कराई गई है। दो घटनाएं कृषि से संबंधित नहीं थीं। इनमें से एक फरीदाबाद में कचरा जलाने और दूसरी सोनीपत में औद्योगिक अपशिष्ट जलाने से संबंधित थी। बैठक में बताया गया कि समझौते के मुताबिक इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (आइ ओ सी एल) का पानीपत स्थित एथनाल प्लांट किसानों से दो लाख टन पराली खरीदेगा। इसमें से 30 हजार टन पानीपत जिले तथा आसपास के जिलों से एक लाख 70 हजार टन पराली खरीदने की योजना है। इस पहल से किसानों को पराली जलाने के बजाय आर्थिक रूप से लाभकारी विकल्प मिलेगा। साथ ही स्वच्छ, नवीकरणीय ईंधन के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। पराली भंडारण के लिए पांच जिलों ने 205 एकड़ अतिरिक्त पंचायत भूमि की आवश्यकता बताई है। कुरुक्षेत्र जिले ने भूमि उपलब्ध करा दी है, जबकि करनाल, पानीपत और सोनीपत जिलों में प्रस्तावों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। अंबाला जिले में एग्रीगेटर्स ने पंचायत भूमि का उपयोग करने के बजाय स्वयं निजी भूमि की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। बाक्स किसानों से निरंतर संवाद बनाएंगे अधिकारी सभी जिलों में कुल 9036 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं जो आवश्यक संख्या 8494 से अधिक हैं। प्रत्येक अधिकारी को रेड और येलो जोन में 50 किसानों तथा अन्य क्षेत्रों में 100 किसानों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये अधिकारी किसानों से निरंतर संवाद बनाए रखेंगे। मशीनरी के उपयोग की निगरानी करेंगे और आग की किसी भी घटना की रिपोर्ट मोबाइल प्लेटफार्म के माध्यम से रियल-टाइम में करेंगे।

अदालत के सवालों का जवाब देने के लिए AI का इस्तेमाल कर रहे वकील, मिली चेतावनी

चंडीगढ़ (गंभीर): पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में उन वकीलों की निंदा की है जो सुनवाई के दौरान न्यायिक सवालों के जवाब ऑनलाइन खोजने के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह एक बढ़ती हुई आदत है, जो कार्यवाही में बाधा डालती है और कमजोर तैयारी को दशार्ती है। न्यायमूर्ति संजय वशिष्ठ ने मामले की सुनवाई करते हुए वकीलों द्वारा आवश्यक सामग्री पहले से तैयार रखने के बजाय बार-बार जानकारी प्राप्त करने के लिए फोन का इस्तेमाल करने पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने बार एसोसिएशन को चेतावनी दी कि वे सदस्यों को याद दिलाएं कि भविष्य में इस तरह के व्यवहार के लिए कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। अदालत में मोबाइल का बार-बार इस्तेमाल न करें वकील अदालत ने निर्देश दिया कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष/सचिव योग्य सदस्यों को सूचित करें कि वे सुनवाई के दौरान ए.आई.., ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या गूगल के माध्यम से खुद को अपडेट करने के लिए बार-बार मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें, अन्यथा अदालत को सख्त आदेश पास करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अदालत ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसा आचरण देखा गया है और यह एक समस्या बन गई है। न्यायमूर्ति ने कहा कि अदालत में पेश होने से पहले पूरी तैयारी करने के बजाय, वकील ऑनलाइन सर्च, एआई टूल्स और गूगल पर ज्यादा निर्भर हो रहे हैं। कई बार जवाब के इंतजार रोकनी पड़ती है कार्यवाही अदालत ने कहा कि अक्सर कार्यवाही इसलिए रुक जाती है क्योंकि वकील फोन पर जवाब ढूंढ़ते रहते हैं। इस वजह से अदालत को कई बार ऐसे जवाबों का इंतजार करना पड़ता है जो पहले से पता होने चाहिए थे। आदेश में कहा गया है कि सुनवाई के दौरान बार के संबंधित सदस्यों द्वारा अदालत के सामने बार-बार फोन का इस्तेमाल चिंता का विषय है।

हरियाणा कैडर के IPS अधिकारी पूर्ण कुमार ने किया सुसाइड, चंडीगढ़ आवास पर खुद को सर्विस रिवॉल्वर से मारी गोली

चंडीगढ़। हरियाणा काडर के वर्ष 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी वाई पूर्ण कुमार ने सोमवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित निवास पर आत्महत्या कर ली। चंडीगढ़ पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि एडीजीपी रैंक के अधिकारी ने खुद की सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारी है। उनकी बेटी को यह रिवॉल्वर मकान के बेसमेंट में मिली। यह बेसमेंट साउंडप्रूफ है, जिसके चलते गोली चलने की आवाज बाहर नहीं आई। काफी देर बाद पूर्ण कुमार की बेटी ने नीचे जाकर देखा तो पिता का शव पड़ा था और पास में ही रिवॉल्वर भी पड़ी थी। चंडीगढ़ के एसएसपी घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त की। आईएएस पत्नी जापान दौरे पर, कल लौटना है दिल्ली वाई पूर्ण कुमार की पत्नी पी अमनीत कुमार सीनियर हरियाणा काडर की आईएएस अधिकारी हैं। उनका बैच भी 2001 है। पी अमनीत कुमार इस समय हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग में आयुक्त एवं सचिव के पद पर कार्यरत हैं, जो कि इस समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ जापान के दौरे पर गई हुई हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल को आठ अक्टूबर की रात को वापस दिल्ली लौटना है। पीटीसी सुनारिया में आईजी के पद पर

कार्यरत थे एडीजीपी रैंक के वाई पूर्ण कुमार पीटीसी सुनारिया में आईजी के पद पर कार्यरत थे। इससे पहले उन्हें आईजी रोहतक के पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन वे इस पद पर ज्यादा समय नियुक्त नहीं रह सके। वाई पूर्ण कुमार को आईजी रोहतक के पद पर लंबे समय बाद नियुक्ति मिली थी। इस नियुक्ति से पहले वह गैर महत्व के पदों पर कार्यरत रहे हैं। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के खिलाफ भी कई बार खोला मोर्चा पूर्ण कुमार का विवादों से पुराना नाता रहा है। हरियाणा के मौजूदा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद और पूर्व डीजीपी मनोज यादव के खिलाफ उन्होंने कई बार मोर्चा खोला। उन्होंने पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल के खिलाफ भी चुनाव आयोग को शिकायत कर दी थी। उनका आरोप था कि आइएएस अनुराग अग्रवाल जातिगत मामलों को देखते हुए अफसरों पर कार्रवाई कर रहे हैं। केवल अनुसूचित जाति के अफसरों को बदला जा रहा है, लेकिन स्वर्ण जाति के अफसरों को नहीं बदला जा रहा है। 2022 में सचिव पर भेदभावपूर्ण तरीका अपनाने का लगाया था आरोप वाई पूर्ण कुमार ने वर्ष 2022 में तत्कालीन गृह सचिव राजीव अरोड़ा पर भेदभावपूर्ण तरीका अपनाकर पूर्व डीजीपी मनोज यादव के पक्ष में जांच रिपोर्ट देने का आरोप भी लगाया था। यह मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में भी पहुंचा। नौ आइपीएस अधिकारियों के दो-दो सरकारी मकानों पर कब्जे का मामला भी वाई पूर्ण कुमार ने उजागर किया था, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों से एक सरकारी मकान खाली कराते हुए जुमार्ना राशि वसूली गई थी।

तीन भारतीय आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारत के करिश्माई खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, कुलदीप यादव (पुरुष वर्ग में) और स्मृति मंधाना (महिला वर्ग में) को सितंबर महीने के लिए 'आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। बाएं हाथ के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यूएई में खेले गए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा और उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक (बल्लेबाजी) भी हासिल की। कलाई के वामहस्त स्पिनर कुलदीप ने भी इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाए। एशिया कप में उन्होंने अपना अभियान यूएई के खिलाफ सात रन पर चार विकेट के साथ शुरू किया जबकि फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन पर चार विकेट लेकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

भारत ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को तीन बार शिकस्त दी। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट इस नामांकन को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। बेनेट श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ श्रृंखला के सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने इसके बाद टी20 विश्व कप के अफ्रीका क्षेत्र के फाइनल के शुरुआती तीन मैचों में 72, 65 और 111 रन बनाए। उनकी शानदार बल्लेबाजी से जिम्बाब्वे 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

भारत की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में इस खिताब के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने सितंबर में चार वनडे मैचों में 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 58, 117 और 125 रन की पारियां खेलीं।

भारत इस श्रृंखला का पहला मैच हार गया था, लेकिन मंधाना की शतकीय पारी से टीम ने दूसरा मुकाबला जीतकर श्रृंखला 1-1 से बराबर की। उन्होंने इसके बाद निर्णायक मैच में भी शतक जड़ा लेकिन भारत 1-2 से श्रृंखला हार गया। वह इस श्रृंखला की

'सर्वश्रेष्ठ' खिलाड़ी चुनी गयी थी। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स को नामांकित किया गया है।

महेंद्र सिंह धोनी ने पूरा किया ड्रोन पायलट प्रशिक्षण

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के अग्रणी ड्रोन निर्माता गरुड़ एयरोस्पेस ने घोषणा की है कि उसके ब्रांड एंबेसडर और निवेशक महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई स्थित कंपनी के DGCA-अनुमोदित रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (RPTO) में अपना ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल कंपनी के साथ धोनी के जुड़ाव को मजबूत करती है, बल्कि भारत के सबसे प्रसिद्ध खेल दिग्गजों में से एक के विमानन प्रौद्योगिकी के भविष्य में कदम रखने के एक महत्वपूर्ण क्षण को भी चिह्नित करती है।

यह निवेश और ब्रांड एंबेसडरशिप से परे गरुड़ एयरोस्पेस के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद धोनी अब ड्रोन उड़ाने के लिए प्रमाणित हो गए हैं, जो भारत की विकास गाथा को बदलने की उनकी क्षमता को उजागर करता है। यह प्रशिक्षण प्रमाणित और सुरक्षित ड्रोन संचालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें सैद्धांतिक ग्राउंड कक्षाओं के साथ-साथ सिमुलेटर और वास्तविक ड्रोन पर गहन व्यावहारिक उड़ान सत्र भी शामिल हैं।

गरुड़ एयरोस्पेस अपने प्रशिक्षण केंद्रों के बढ़ते नेटवर्क और अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से स्थापित 300 से अधिक 'उत्कृष्टता केंद्रों' के माध्यम से इस प्रयास में अग्रणी है। ये पहल यह सुनिश्चित करती हैं कि पायलट औपचारिक रूप से प्रमाणित हों, जिससे कंपनी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के प्रति प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है।

धोनी की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और सीईओ अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा, 'हमारे ब्रांड एंबेसडर और निवेशक, एमएस धोनी का व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण लेना और पायलट के रूप में प्रमाणित होना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इसे बहुत जल्दी सीख लिया और सीखने पर बेहद ध्यान केंद्रित किया। ड्रोन उद्योग में क्रांति लाने के हमारे मिशन में उनका अटूट विश्वास पूरी टीम के लिए प्रोत्साहन का एक बड़ा स्रोत है। माही भाई एक प्रेरणा हैं, और उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और इस क्षेत्र में कौशल और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को और पुष्ट करता है।'

महेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि उन्होंने गरुड़ एयरोस्पेस के साथ अपना छत्तष्ट ड्रोन पायलट प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। DGCA द्वारा अनुमोदित आरपीटीओ, गरुड़ एयरोस्पेस ने अपने अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में 2,500 से अधिक महत्वाकांक्षी पायलटों को प्रशिक्षित किया है। धोनी ने गरुड़ एयरोस्पेस के साथ अपनी यात्रा जारी रखने और इसके विकास को देखने के लिए अपनी उत्सुकता भी साझा की।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन की जगह पडीक्कल को मिल सकता है मौका

मुम्बई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट मैच में शायद ही जगह मिले। नंबर तीन पर टीम इंडिया को एक अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। इसी को देखते हुए सुदर्शन की जगह पर देवदत्त पडीक्कल को अवसर मिल सकता है। पड़िकल ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनो टीमों के बीच दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली पर सुदर्शन मैच में रन नहीं बना पाये। वह 19 गेंदों पर 7 रन ही बना पाये। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट में उनकी क्षमताओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इंग्लैंड दौरे में भी जगह मिली थी पर वह वहां भी केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस बल्लेबाज को नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर आजमाया गया है, जिसमें वह अभी तक बुरी तरह विफल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 0, 30, 61, 0, 38, 11 और 7 रन के स्कोर ही कुल 137 रन ही बनाए हैं। वह विदेशी धरती के बाद अपनी धरती पर भी रन बनाने में सफल नहीं हुए हैं। सुदर्शन ने अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये हैं। सुदर्शन का सबसे अधिक स्कोर 61 रन है।

पृथ्वी शॉ ने पहले ठोका शतक.. फिर भिड़ गए मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से, बीच मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में कमाल का शतक जमाया लेकिन उनके आउट होते ही मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। दरअसल, पृथ्वी शॉ मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से भिड़ गए। पृथ्वी ने वो कर दिखाया है जिसके लिए वो जाने जाते हैं। रणजी ट्रॉफी से पहले महाराष्ट्र के लिए प्रैक्टिस मैच खेल रहे पृथ्वी शॉ ने तूफानी शतक लगाया है। बड़ी बात ये है कि उन्होंने ये शतक अपनी पुरानी टीम मुंबई के खिलाफ जड़ा। एमसीए में खेले जा रहे इस मैच में पृथ्वी ने मुंबई के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। शॉ ने तूफानी बैटिंग करते हुए 219 गेंदों में 181 रन ठोके।

पृथ्वी शॉ की लड़ाई

वहीं पृथ्वी शॉ ने मुंबई के गेंदबाजों के फीते खोल दिए वो 73.2 ओवर तक क्रीज पर रहे और इस दौरान उन्होंने 219 गेंदों में 181 रन बनाए। शॉ के शतक की मदद से

महाराष्ट्र टीम 430 रनों तक पहुंच चुकी थी लेकिन जैसे ही ये खिलाड़ी आउट हुआ बीच मैदान पर बड़ा बवाल हो गया। पृथ्वी शॉ को मुशीर खान ने आउट किया और इसके बाद मुंबई के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ स्लेजिंग की। स्लेजिंग सुनते ही पृथ्वी शॉ ने आपा खो दिया और वो मुंबई के खिलाड़ियों पर चिल्लाते दिखे। जब मामला बढ़ा तो अंपायर को बीच बचाव के लिए आना पड़ा। पृथ्वी शॉ ने अपनी पारी में कमाल बैटिंग की। इस खिलाड़ी ने ऑलराउंडर अर्शीन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रन जोड़े। बड़ी बात ये है कि पृथ्वी शॉ ने इस मैच में अपने अंदाज से हटकर बल्लेबाजी की।

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन) - नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक मेरी बुजकोवा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले के साथ वुहान टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

आउट होते ही अंपायर पर नाराज हुए वैभव सूर्यवंशी

मुम्बई। मंगलवार को भारतीय अंडर-19 टीम के हेनिल पटेल और खिलन पटेल ने भारत को बेहतरीन बढ़त दिलाई। इस दौरान इन दोनों गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन से दूसरे युवा टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम 135 रन पर समेट गई। हालांकि, इसके बाद भारत की भी शुरुआत खराब रही और टीम ने सातवें ओवर में 41 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। पिछले टेस्ट में 86 गेंद में 113 रन की पारी खेलने वाले प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी 14 गेंद में 20 रन बनाकर चार्ल्स लैचमंड की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया। अपनी 20 रन की पारी के दौरान वैभव ने दो चौके और एक छक्का भी लगाया। इस बीच जोरदार अपील पर अंपायर ने वैभव सूर्यवंशी को आउट दे दिया। भारतीय बल्लेबाज कुछ समय तक अपने क्रीज पर ही खड़ा रहा और अंपायर को इशारा किया कि गेंद उनके बैट से नहीं बल्कि पैड से टकराई थी। पवेलियन लौटते समय वैभव सूर्यवंशी ने अंपायर से बात की, शायद यही कहना चाह रहे हो कि आपका फैसला गलत है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल है। वैभव का कैच विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने लपका। फिलहाल, भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 40 ओवर में 144 रन तक सात विकेट गंवा दिए। स्टंप्स के समय हेनिल और दीपेश क्रमशः 22 और 6 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। पहले टेस्ट में 140 रन बनाने वाले वेदांत त्रिवेदी ने 44 गेंदों पर चार चौके की मदद से 25 रन बनाए। त्रिवेदी और राहुल कुमार ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन भारत अंडर-19 ने इसके बाद सिर्फ दो रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। खिलन और हेनिल ने सातवें विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी की। शुरुआती दिन भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा 26 रन बनाने वाले खिलन दिन का खेल समाप्त होने से पहले आउट हुए।

महिला विश्वकप में आज ऑस्ट्रेलिया से हारी तो बाहर होगी पाकिस्तान

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पाक टीम अब तक अपने दोनो ही मैच हारी है। ऐसे में अगर वह इस मैच में भी हारी तो विश्वकप से बाहर हो जाएगी। पहले मैच में उसे बांग्लादेश और दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया था। ऐसे में उसका अब तक एक भी अंक नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक अपने दोनो मैच जीती है और इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को भी बड़ें अंतर से जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। पाक टीम के अब तक के खराब प्रदर्शन को देखते हुए भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत तय दिख रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीमों के प्रदर्शन से काफी बेहतर रहा है। कप्तान एलिसा हीली की टीम ने अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक रन बनाये हैं। ऐसे में वह पाक के खिलाफ वह और भी बड़ा स्कोर बना सकती है।

पाक टीम अगर ये मैच हारती है तो उसका बाहर होना तय है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पीछे कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच मे 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी। टीम की नजरें अब अपने इस रिकॉर्ड में सुधार करने के साथ ही आठवें विश्व कप खिताब को जीतने पर रहेंगी।

उसके पास सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड के अलावा एश्ले गार्डनर जैसी बल्लेबाज हैं। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन से पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने कमाल का प्रदर्शन किया था। अब इंग्लैंड, भारत व दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और पक्का करने उतरेगी।

भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज से भी उसे उपमहाद्वीप के मैदानों पर खेलने का तरीका समझ में आ गया है। वहीं बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान की टीम अभी तक अंकतालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। कप्तान फातिमा सना की अब तक सभी क्षेत्रों में कमजोर नजर आयी है।

टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों के नहीं होने से पाक टीम टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन भी नहीं बना पायी है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली भी रनों के लिए संघर्ष करती दिखीं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ भी उसकी गेंदबाजी दिशाहीन रही और उसने करीब 18 अतिरिक्त रन दिये। भारत के खिलाफ भी उसे 88 रनों से बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के जबरदस्त प्रदर्शन को को देखते हुए पाक टीम उसके सामने टिक पायेगी। ऐसी संभावनाएं नहीं हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तानः फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : भारत ने श्रीलंका को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

गुवाहाटी। भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां सुहानदिनाता कप के लिए बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा के ग्रुप एच में श्रीलंका को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ाए। ग्रुप एच में शीर्ष पर रहने के प्रबल दावेदार और दूसरे वरीय भारत ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए श्रीलंका को 45-27, 45-21 से हराया। श्रीलंका ने सोमवार को करीबी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को शिकस्त दी थी। अन्य शीर्ष देशों में 14 बार के चैंपियन चीन और पूर्व चैंपियन दक्षिण कोरिया ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरी जीत दर्ज की जबकि फिलिपीन्स ने हांगकांग को 42-45, 45-28, 45-43 से हराकर उलटफेर किया। चीन ने ग्रुप डी में इंग्लैंड को 45-22, 45-19 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने ग्रुप जी में पदार्पण कर रहे भूटान को 45-5, 45-17 से शिकस्त दी।

सिराज को रुट से लगता है डर, इसलिए बनाये रखते हैं दूरियां

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज काफी आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी करते हैं। सिराज को विश्व के किसी भी बल्लेबाज को गेंदबाजी करते समय डर नहीं लगता। वह केवल इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रुट से ही डरते हैं। सिराज का कहना है कि हाल में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी उन्होंने रुट से इसी कारण दूरी बना ली थी। सिराज ने बताया कि रूट उनकी तरफ कभी भी आक्रामक होकर नहीं देखते केवल मुस्कुरा देते हैं, इसी कारण उनके सामने आक्रामक होना संभव नहीं है। ऐसे में वह अपनी आक्रामकता को बनाये रखने के लिए उनकी ओर नहीं देखते। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि विकेट मिलने के बाद ही उनका गुस्सा गायब होता है। जहां तक रूट की बात है, वह एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। जब वह मेरा सामना करते हैं, तो वह कभी भी मेरी तरफ गुस्से से नहीं देखते। वह मुझे देखकर मुस्कुराते रहते हैं। इसलिए जब भी मैं उन्हें देखता हूं, मेरे चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ जाती है। उन्होंने आगे कहा, 'वह पहले व्यक्ति हैं जो मुझे देखकर शांत करते हैं और मुस्कुराते हैं। इसलिए इंग्लैंड दौरे के दौरान मैंने फैसला किया कि मैं उनकी तरफ नहीं देखूंगा और न ही उनसे बात करूंगा।।'

भारत में क्रिकेट की तरह कोरिया में तीरंदाजी की लोकप्रियता : ब्रैडी एलिसन

अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। कोरिया की महिला टीम 1988 सियोल ओलंपिक से अब तक अजेय रही है। पुरुष वर्ग में किम वू-जिन ने अपने करियर का पांचवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता जो किसी भी तीरंदाज द्वारा सबसे ज्यादा है। पांच बार के ओलंपियन एलिसन ने दिल्ली में आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) से इतर 'पीटीआई' को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, ''कोरिया दुनिया का इकलौता देश है जहां तीरंदाजी के लिए समर्पित पेशेवर प्रणाली है। उनके हर तीरंदाज का मुख्य पेशा यह है और उनकी रोजी रोटी इस खेल से चलती है, । इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की वह तीरंदाज राष्ट्रीय टीम में हो या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है।'' एलिसन ने कहा कि कोरिया में तीरंदाज ओलंपिक की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि पूर्णकालिक पेशेवर माने जाते हैं। उन्होंने कहा, '' वहां बच्चे पांच-छह साल की उम्र से ही तीरंदाज बनने का सपना देखने लगते हैं। यही उनका जुनून और मुख्य खेल बन जाता है। बाकी जगहों पर लोग सिर्फ ओलंपिक टीम में आने के लिए इस खेल से जुड़ते हैं। कोरिया में तीरंदाज इसे अपना करियर बनाते हैं। यही उन्हें जिंदगी में स्थिरता और सफलता दिलाता है।'' एलिसन रिकर्व तीरंदाजी में अगस्त 2011 से अप्रैल 2013 तक सबसे अधिक समय के लिए शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी रहे हैं। ओलंपिक में पांच पदक के साथ वैश्विक प्रतियोगिताओं में 60 से अधिक पदक जीतने वाले एलिसन का मानना है कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है। उन्होंने कहा, ''भारत के पास विश्व कप और चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा। लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे, गुरबख्श सिंह बोले- इस विरासत का हिस्सा होना गर्व की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी ने अपनी गौरवशाली यात्रा के 100 साल पूरे कर लिए हैं। 7 नवंबर 1925 को बने हॉकी प्रशासन के पहले संस्थान से लेकर 8 ओलंपिक स्वर्ण पदकों तक का यह सफर इतिहास में दर्ज है। इस मौके पर 90 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी गुरबख्श सिंह ने कहा कि 'यह खेल भारत की पहचान है, और इस मील के पत्थर को मनाना गर्व का क्षण है।'

1928 से 1959: भारत का स्वर्ण युग

भारतीय हॉकी का सुनहरा दौर 1928 से 1959 तक रहा, जब टीम ने लगातार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते। 1980 के दशक में गिरावट के बाद, 2020 टोक्यो ओलंपिक में मनप्रीत सिंह की कप्तानी में कांस्य जीत ने फिर से नई शुरुआत की। 2024 पेरिस में टीम ने एक और पदक जीतकर उस विरासत को जीवित रखा।

'प्रोफेसर' जिसने दो स्वर्ण भारत को दिलाए : गुरबख्श सिंह

1959 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले गुरबख्श सिंह 1964 टोक्यो ओलंपिक और 1966 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रहे। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें चश्मा पहनने की वजह से 'प्रोफेसर' कहा। वे कहते हैं, 'मेरे लिए हॉकी जीवन है। हमने तब ओलंपिक में विश्व खिताब वापस जीता था, वही पल आज भी मेरे दिल में है।'

भारत-पाकिस्तान, अब तक की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

गुरबख्श के अनुसार, भारतीय हॉकी का सबसे रोमांचक अध्याय भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत थी। उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर कोई दुश्मनी नहीं थी, लेकिन मैदान पर बस एक ही लक्ष्य होता था- जीतना।' उनका मानना है कि इस प्रतिद्वंद्विता ने ही दोनों देशों की हॉकी को विश्वस्तर पर पहचान दिलाई।

वॉर 2 में काम करने को लेकर बोले ऋतिक, हर फिल्म यातना नहीं होती

पिछले महीने ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 रिलीज हुई। फिल्म की काफी तारीफ हुई। इसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म की पहली किस्त वॉर को रिलीज हुए 6 साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म वॉर 2 की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है।

ऋतिक रोशन की पोस्ट में क्या है?

ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म वॉर 2 के कुछ दृश्य इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा कबीर का किरदार निभाना बहुत अच्छा था। क्योंकि मैं उन्हें पहले से जानता था। उनका किरदार निभाना आसान था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो मैं भी कर सकता था। जैसे कई और करते हैं। यह बिल्कुल इसी तरह था जैसे अभिनेता का किरदार निभाएं, अपना काम करें और घर आ जाएं। मैंने भी वैसा ही किया। मेरे निर्देशक अयान ने मेरा बहुत साथ दिया। सेट पर वह बहुत एक्टिव रहे। सब कुछ एकदम बढ़िया था। मानो यह सब होना ही था। कोई चिंता नहीं, बस मुझे अपना काम सही से करना था और मैंने किया भी। हर फिल्म एक यातना और आघात नहीं होती।

वॉर 2 के बारे में

फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के अलावा जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म वॉर का सीक्वल है। इस फिल्म की कहानी रॉ एजेंट कबीर (ऋतिक रोशन) के आस-पास घूमती है। वह काली कार्टेल को खत्म करने के मिशन पर निकलते हैं। मिशन के दौरान अपने ही मेंटर की हत्या कर देते हैं। इसके बाद उनकी मुश्किलें शुरू होती हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

ऋतिक रोशन का काम

ऋतिक रोशन इससे पहले फिल्म फाइटर (2024) में नजर आए थे। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर थे। सिद्धार्थ आनंद ने इसका निर्देशन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अभी ऋतिक ने किसी नए प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती

कृष्णा श्रॉफ ने एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि छोरिया चली गांव में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं। शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं। वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।

रियलिटी शो छोरिया चली गांव को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई।

कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी अर्जुन रेड्डी से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है? इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूं, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूं। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया।

उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बता दें कि शालिनी पांडे ने अर्जुन रेड्डी में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज', और '118' जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी हैं।

जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।

कांतारा चैप्टर 1 की सफलता पर भावुक हुए ऋषभ

साल 2022 में रिलीज हुई 'कांतारा' फिल्म की अगली कड़ी 'कांतारा चैप्टर 1' रिलीज हो चुकी है। ऋषभ शेट्टी निर्देशित 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन ही 60 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन भी यह शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों का, फैंस का शुक्रिया अदा किया है।

24 घंटे में बिके 1 मिलियन से अधिक टिकट

'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम पूरे देश में गूंज रही है। 24 घंटों में 1.28 मिलियन से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने साल 2025 में पहले दिन बुकमॉयशोइन पर सबसे ज्यादा टिकट ब्रिकी दर्ज की है।

ऋषभ ने शुरुआती दौर के स्ट्रगल का जिक्र किया

ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही अपना एक पुराना ट्वीट भी शेयर किया है। जिसमें वह अपने स्ट्रगल का जिक्र करते हैं। ऋषभ शेट्टी ने पुराने ट्वीट में लिखा है, '2016 में एक ईवनिंग शो पाने के लिए संघर्ष करने से लेकर 2025 में 5000 से ज्यादा हाउसफुल शो तक का सफर। यह सफर आपके प्यार, सपोर्ट और भगवान की कृपा के अलावा और कुछ नहीं है। इसे संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति का हमेशा आभारी रहूंगा।'

फिल्म को ऑनलाइन शेयर ना करने की गुजारिश की

अभिनेता, निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों से गुजारिश की है कि फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के वीडियो रिकॉर्ड करके ऑनलाइन शेयर ना करें। वह एक अन्य एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया है। हम आपसे गुजारिश करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर/रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें।'

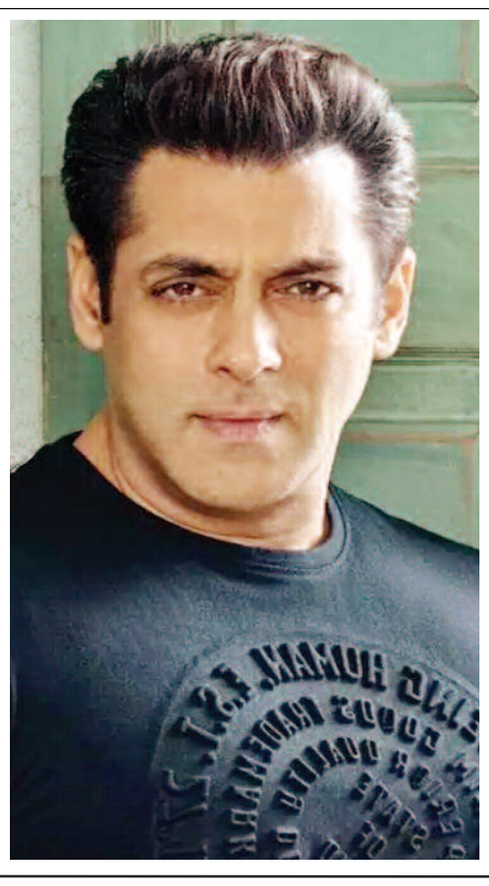

मुंबई में शुरू होने जा रहा है बैटल ऑफ गलवान के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग चित्रांगदा भी करेंगी ज्वाइन

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

अक्टूबर से शुरू होगा मुंबई शेड्यूल

रिपोर्ट के मुताबिक बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन्स का रेक्की कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बदला सलमान का लुक

लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूंछ शेव कर क्लीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए। फैन्स को सलमान का यह नया अंदाज देखकर फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

पिछली फिल्म फ्लॉप, इस बार दांव बड़ा

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। यही कारण है कि अभिनेता इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। सूत्रों का कहना है कि सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर सीक्वेंस पर बारीकी से काम कर रहे हैं ताकि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैंस को पहले लुक का इंतजार

मुंबई शेड्यूल शुरू होने की खबर के बाद सलमान के फैंस सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हर किसी को इंतजार है कि आखिरकार कब सलमान खान का मिलिट्री अवतार पर्दे पर सामने आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मेकर्स 2026 की शुरुआत में इसका पहला टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।